श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 197, पृष्ठ 4 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

संध्या कालीन | नगर संस्करण | प्रयागराज | रविवार 11 जुलाई 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसांधन संस्थान की एक अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बरामद किए 2500 करोड़ के ड्रग्स! 4 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। खबरों के मुताबिक, पुलिस मामले में नार्को टेररिज्म के एंगल से जांच कर रही है। फिलहाल संदिग्धों से पूछताछ जारी है। स्पेशल सेल के नीरज ठाकुर ने मीडिया को बताया कि, यह ऑपरेशन कई महिनों से चल रहा था और यह ड्रग्स अफगानिस्तान से आई है। दिल्ली पुलिस ने अब तक के सबसे बड़े ड्रग्स सिंडिकेट का खुलासा किया है। आपको बता दें कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 2,500 करोड़ की 354 किलोग्राम की हेरोइन जब्त की है और एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि इसमें हरियाणा से तीन और दिल्ली से एक को गिरफ्तार किया गया है।

खबरों के मुताबिक, पुलिस मामले में नार्को टेररिज्म के एंगल से जांच कर रही है। फिलहाल संदिग्धों से पूछताछ जारी है। स्पेशल सेल के नीरज ठाकुर ने मीडिया को बताया कि, यह ऑपरेशन कई महिनों से चल रहा था और यह ड्रग्स अफगानिस्तान से आई है। इन ड्रग्स को छिपा कर कंटेनरों में समुद्र के रास्ते से ले जाया जा रहा था। ठाकुर ने आगे बताया कि, इन ड्रग्स को छिपाने के लिए आरोपियों ने फरीदाबाद में एक घर को किराए पर लिया था। ठाकुर के अनुसार, इस बात के संकेत भी मिले हैं कि इन ऑपरेशन को चलाने के लिए के लिए धन पाकिस्तान से भी आ रहा होगा।

यूपी ब्लॉक प्रमुख चुनाव में बीजेपी 600 के पार, पीएम मोदी ने बंपर जीत पर दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में ब्लॉक प्रमुखों के चुनाव में भी बीजेपी ने अपना परचम लहाराया है। ब्लॉक प्रमुख चुनावों में पार्टी के शानदार प्रदर्शन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है।

बता दें कि राज्य में 825 सीटों में से 735 सीट पर बीजेपी ने ब्लॉक प्रमुख के प्रत्याशी दिए थे, उसमें से 635 सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी जीत गए हैं। कुछ सीटों पर सपा के उम्मीदवार भी विजयी हुए हैं। यूपी में एक बार फिर पार्टी के शानदार प्ररदर्शन पर पीएम मोदी ने ट्विट किया 'उत्तर प्रदेश में ब्लॉक

प्रमुखओं के चुनाव में भी बीजेपी ने अपना परचम लहराया है। सरकार की नीतियों और जनहित की योजनाओं से जनता को लाख मिला है, वो पार्टी की भारी जीत में परिलक्षित हुआ है। इस विजय के लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। वहीं, मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मैं विजयी प्रत्याशियों को हृदय से बधाई देता हूं उनका अभिनंदन करता हूं। क्षेत्र पंचायत प्रमुख के चुनाव में 635 से अधिक सीटों पर भाजपा अपने सहयोगियों और समर्थकों के साथ विजयी बन रही है, ये संख्या पूरे परिणाम आने पर अभी और बढ़ेगी।

सीएम ने कहा कि मुझे बताते हुए प्रसनन्ता है कि पार्टी की जो रणनीति थी जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के माध्यम से आगे बढ़ी, उसका परिणाम था 75 जिला पंचायत अध्यक्ष में से 67 सीटों पर भाजपा और सहयोगी दलों ने विजय प्राप्त की।

उत्तर प्रदेश में जनतंत्र पर 'योगीजी का जंगलराज' हावी हुआः कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में ब्लॉक प्रमुख चुनाव के दौरान हुई हिंसा को लेकर शनिवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली सरकार में यह प्रदेश 'हिंसा प्रदेश' बन चुका है नयी दिल्ली। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में ब्लॉक प्रमुख चुनाव के दौरान हुई हिंसा को लेकर शनिवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली सरकार में यह प्रदेश 'हिंसा प्रदेश' बन चुका है।

साध्वी प्राची बोलीं- गाय का मांस खाने वालों को छोड़कर सबका डीएनए एक

राजस्थान (एजेंसी)। हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि सभी भारतीयों का डीएनए समान है। अब विश्व हिंदू परिषद की नेता साध्वी प्राची ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। राजस्थान के दौसा जिले में एक कार्यक्रम के दौरान साध्वी ने कहा ?कि सभी भारतीयों का डीएनए समान है, सिर्फ उनका छोड़कर जो गाय का मांस खाते हैं। वह राजस्थान के दौसा में एक कार्यक्रम में बोल रही थीं।

गौरतलब है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डीएनए संबंधी बात कही थी।

उनके इस बयान के बाद देश में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं। इंडिया टुडे वेबसाइट की खबर के मुताबिक इसी कड़ी में विहिप नेता साध्वी प्राची ने अपनी बात कही है।

बिहार : गंगा, बूढ़ी गंडक, बागमती समेत प्रमुख नदियों में बढ़ रहा जलस्तर, कई गांवों में घुसा बाढ़ का पानी

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। उत्तर बिहार से गुजरने वाली गंगा, बूढ़ी गंडक, बागमती समेत प्रमुख नदियों में जलस्तर में फिर से वृद्धि शुरू हो गई है। इससे बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति गंभीर होने लगी है। समस्तीपुर में बूढ़ी गंडक में पानी बढ़ने से समस्तीपुर-दरभंगा डाउन लाइन पर ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया है। पश्चिम व पूर्वी चम्पारण, शिवहर, सीतामढ़ी में कई सड़कों पर पानी चढ़ने से आवागमन ठप है। दरभंगा के हनुमाननगर में बाढ़ की स्थिति विकराल हो रही है। यहां की सभी 14 पंचायतें बाढ़ से प्रभावित हो गयी हैं। बूढ़ी गंडक में उफान से मुजफ्फरपुर शहर के तटवर्ती मोहल्लों के साथ-

साथ मीनापुर व कांटी में बाढ़ विकराल होती जा रही है। शनिवार को मीनापुर में बूढ़ी गंडक का पानी चढ़ने से शिवहर स्टेट हाईवे पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। शुक्रवार की देर रात को ही सड़क पर चार से पांच फीट पानी चढ़ जाने के बाद वाहनों के परिचालन को रोकना पड़ गया। दूसरी ओर बनघारा पावर सब स्टेशन में करीब चार फीट पानी भर जाने के बाद मीनापुर में ब्लैकआउट का खतरा मंडराने लगा है। हालांकि, शनिवार की देर शाम तक किसी तरह बिजली की आपूर्ति जारी रही। इस प्रखंड में 27 पंचायत की लगभग तीन लाख से अधिक की आबादी बाढ़ में फंसी हुई है।इधर, कांटी के कोठियां माई स्थान के पास बूढ़ी गंडक के दक्षिणी तटबंध के किनारे कटाव व पानी के रिसाव से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने बताया कि अविलंब कटाव निरोधक कार्य नहीं कराया गया तो तटबंध टूटने का खतरा बढ़ जाएगा। सूचना मिलने के बाद सीओ शिवशंकर गुप्ता ने रिसाव स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने अविलंब कटाव व रिसाव रोकने के लिए मरम्मत का निर्देश विभागीय कमियों को दिया।

बिहारः बेटी हुई तो मां ने जिंदा दफनाया

कंबल में लपेटकर जमीन में डाला, ऊपर से रख दी ईट, पड़ोसियों ने बचाई जान

लखीसराय (एजेंसी)। लखीसराय जिले के कबैया थाना क्षेत्र में एक मां ने ममता को शर्मसार करने वाली घटना को अंजाम दिया है। बेटी के जन्म लेने पर मां ने उसे जिंदा दफनाने की कोशिश की तो वहीं पड़ोसियों ने तत्परता दिखाते हुए नवजात को नई जिंदगी दी। थाना क्षेत्र के ही पंजाबी मुहल्ला के नजदीक एक कलयुगी मां शनिवार की देर शाम अपनी सात दिन की बच्ची को मिट्टी में जिंदा दफन कर रही थी। बच्ची को कंबल में लपेटकर गड्ढे में डाल दिया और उसपर करीब आधा दर्जन से अधिक ईंटें रख दी।

विकासखंड सहसों से भाजपा प्रत्याशी गीता सिंह विजयी

अखंड भारत संदेश

सहसों। नवसृजित ब्लॉक विकासखंड सहसों में क्षेत्र पंचायत प्रमुख के लिए भाजपा प्रत्याशी गीता सिंह विजई घोषित की गई। क्षेत्र पंचायत प्रमुख के लिए हुए मतदान में विकासखंड संहसों में 52 क्षेत्र पंचायत सदस्य हैं। जिन्होंने शनिवार को अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिसमें भाजपा प्रत्याशी गीता सिंह को 27 मत तथा समाजवादी पार्टी की शुभी यादव को 25 मत प्राप्त हुए। इस तरह 2 मतों से भाजपा प्रत्याशी गीता सिंह विजय हुई।

गीता सिंह के विजई होते ही भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश व उल्लास से नारे लगाना शुरू कर दिया तथा बधाई देने वालों का तांता शुरू हो गया। बधाई देने वालों में मौके पर क्षेत्रीय विधायक प्रवीण पटेल, शिव नारायण सिंह गप्पू , राघवेंद्र सिंह,सत्यम हिन्दू , प्रताप बहादुर सिंह सहित भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उन्हें पुष्प गुच्छ, बुके तथा माल्यार्पण कर बधाई दी। इसी तरह विकासखंड बहादुरपुर में अरुणेंद्र यादव उर्फ डब्बू को 50 मत पाकर विजई घोषित हुए जबकि दूसरे स्थान पर रहे पवन द्विवेदी को 36 मत हासिल हुए तीसरे स्थान पर सपा उम्मीदवार अंगद यादव को सिर्फ चार मत ही प्राप्त कर संतोष करना पड़ा जबकि तीन वोट अनबैलट घोषित किए गए। जिसमें 14 मतों से डब्बू यादव की जीत पर वहां मौजूद भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास के साथ नारे लगाने लगे एवं बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष गंगापुर अश्विनी द्विवेदी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष वीरेन्द्र बहादुर सिंह, वरिष्ठ नेता चन्द्रेश कुमार केसरवानी, सहसों मंडल अध्यक्ष अनिल सरोज, मंडल महामंत्री पवन कुमार शुक्ला व संजय सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष सहसों जय प्रकाश द्विवेदी, राजधर द्विवेदी, मीडिया प्रभारी बृजेश कुमार तिवारी, कृष्ण बल्लभ द्विवेदी, जितेंद्र कुमार सिंह, विमल कुमार सिंह, अशोक कुमार पांडे आदि रहे।

फूलपुर के ब्लाक प्रमुख चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को मिली जीत

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। फूलपुर विकास खण्ड में शनिवार को हुए ब्लाक प्रमुख चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्यासी विपेन्द्र सिंह पटेल ने 62 मत प्राप्त कर सपा प्रत्याशी हरिश्चंद्र पाल को 36 मतों से पराजित कर दिया।

सपा हरिश्चंद्र पाल को कुल 26 क्षेत्र पंचायत सदस्यों के मत प्राप्त हुए। प्रमुख पद के लिए शनिवार सुबह ग्यारह बजे से हो रहे मतदान में क्षेत्र पंचायत सदस्यों अपने चहेते नेता को वोट किया। मतदान के बाद तीन बजे से मतों की गिनती प्रारंभ हुई तो

समर्थकों की धड़कनें बढ़ गई।

कुछ ही देर में चुनाव अधिकारी ने मतों की गिनती के पश्चात नतीजें घोषित किए तो भाजपा उम्मीदवार के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी।

भाजपा के विपेन्द्र पटेल ने 36 मतों से जीत हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सपा के हरिश्चंद्र पाल को करारी शिकस्त दी। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने विजयी प्रत्यासी को फूल मालाओं से लादकर अपनी खुशी का इजहार किया। वहीं विजयी प्रत्यासी विपेन्द्र सिंह पटेल ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करना है। इस मौके पर मौजीलाल रावत,धीरज मिश्रा,चन्द्रजीत यादव,श्याम बाबू गुप्ता सहित सैकड़ों की संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

जिन्दा बम के साथ दो गिरफ्तार

लालापुर।आज शनिवार को खास सूचना पर लालापुर की पुलिस ने घेराबन्दीकर दस जिन्दा देसी बम के साथ दो अभियुक्तो को गिरफ्तार किया डीआईजी एसएसपी प्रयागराज सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी के निर्देश पर अपराधियो परअंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत लालापुर थानाध्यक्ष वृन्दावन राय के नेतृत्व में थाने के उ0नि0ब्रजेश चौरसिया दल बल के साथ क्षेत्र में थे तभी शिवराजपुर रोड के पास बम के साथ कुछ लोगो के होने की सूचना मिली सूचना सत्यापन पर पुलिस टीम स्थल की घेराबंदी कर मौके से राहुल का.नाम तथा कल्लू पुत्र धर्मपाल निषाद ग्राम भंभौर मानपुर लालापुर को हिरासत में लिया तलाशी कल्लू के कब्जे से 6तथा दूसरे के कब्जे से 4 जिदा देसी बम बरामद हुआ।पूछतांछ में आरोपियो ने बताया कि हम दोनों रात्रि में जानवरो की चोरी करते है लोगो में भय पैदा करने हेतु विस्फोटक सामान साथ लिए रहते है।बरामद बमो को पुलिस निष्क्रिय कर उन्हें थाने ले आयी कल्लू की आपराधिक इतिहास खंगालने पर इनके पूर्व में दो मामले दर्ज है।

करछना से सपा की सरोज द्विवेदी ब्लाक प्रमुख पद पर हुई निर्वाचित

रेवती रमण गढ बचाने मे रहे सफल- कार्यकर्ताओ ने मनाया जश्न

अखंड भारत संदेश

करछना। ब्लाक प्रमुख का चुनाव करछना विकास खंड मे सुबह 11 बजे से शुरू हुआ भाजपा से सावित्री देवी और सपा से सरोज देवी के बीच मुकाबला रहा जिसमे सपा प्रत्याशी सरोज द्विवेदी पतने कमलेश द्विवेदी 77 मत पाकर विजई हुए।

जबकि भाजपा प्रत्याशी सावित्री यादव को महज 37 मत ही मिले। सासद रेवतीरमण सिह का गढ माने जाने वाला विकास खण्ड करछना अपनी सीट बचाने मे कामयाब रहा।इसके पूर्व मे भी सपा उम्मीदवार विजयराज सिह

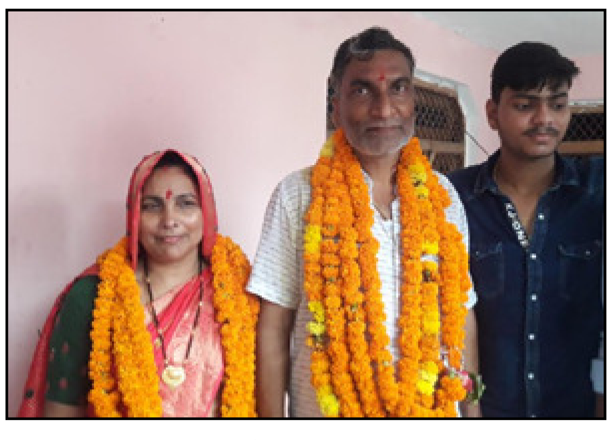

राजू ही प्रमुख रहे।चुनाव के दौरान प्रशासन की व्यवस्था चाक चौबद रही ब्लाक के आप पास नाकेबंदी कर दी गई थी उधर जिलाधिकारी सजय खत्री और डीआईजी एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी मतदान के दौरान विकास खड मे चल रहे मतादान का जाएजा लिया।प्रत्याशियो की ओर से कोई उपद्रव न हो इसके लिए भारी पुलिस तैनात रही वही भाजपा प्रत्याशी के द्धारा सपाइयो पर कुछ बीडीसी को जबरन बैठाये जाने का आरोप लगाया और कुछ देर साधुकूटी चौराहे पर पुलिस से कहासुनी हुई लेकिन पुलिस ऐसी किसी भी बात से इनकार किया।चुनाव पूरी तरह शातिपूर्ण ढग से सपनन होने पर प्रशासन ने राहत की सास ली।

वृक्ष हमारे जीवन साथी, प्रधान अनीता देवी

अखंड भारत संदेश

भड़ेवरा / करछना। पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त करने के लिए जो भारत सरकार की मुहीम चलाई जा रही है ,के अंतर्गत ग्राम सभा सुलमई के उच्च प्राथमिक विद्यालय में पर्यावरण को देखते हुए नव निर्वाचित प्रधान अनीता देवी व प्रधानाध्यापक सुशील कुमार ने पौध रोपण किया।और बताया गया कि वृक्षों की कमी से पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिलता जिससे लोगों में बीमारी का कारण बन जाता है। इसलिए वृक्षों की देखभाल करना हमारा परम कर्तव्य होता है । और यह भी कहा कि आजकल जो भी बीमारी हो पर्यावरण प्रदूषण की वजह से हो रही है। प्रधान के अलावा सुशील कुमार (प्रधानाध्यापक) अविनाश बाबू , सूर्यमणि निषाद, सूरज कुमार शीतला प्रसाद निषाद ,सुभाष कुमार , राजेंद्र प्रसाद निषाद आदि मौजूद रहे।

करछना में सपा को मिली जीत पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न बटी मिठाइयां फोडे पटाखे

अखंड भारत संदेश

करछना। विकासखंड करछना में सपा प्रत्याशी सरोज द्विवेदी की जीत पर सपाइयों ने क्षेत्र के पचदेवरा बाजार में एक बैठक की जिसमें सपा प्रत्याशी जीत पर सांसद रेवती रमण की जीत बताया गया।

सपा कार्यकर्ताओं में प्रत्याशी की जीत पर काफी उत्साह देखने को मिला बैठक की अध्यक्षता करते हुए विधायक करछना उज्जवल रमण सिंह के मीडिया प्रभारी मदन मोहन द्विवेदी ने सपा प्रत्याशी सरोज द्विवेदी के रिकॉर्ड मतों से कोई जीत को सांसद रेवती रमण एवं उज्जवल रमण सिंह की जीत बताते हुए कहा कि क्षेत्र पंचायत के सदस्यों ने भाजपा के गुंडाराज से ऊपर सपा के पक्ष में मतदान करके भाजपा को करारी शिकस्त देकर सपा के दबदबा को कायम रखा इस मौके पर हंसराज सिंह, मिथिलेश द्विवेदी, डाक्टर अमर बहादुर सिंह यादव, संतोष यादव, सीडी सिंह, गजेंद्र तिवारी ,मुनन शुक्ला, नचकऊ खान, शिव शंकर शुक्ला, प्रवीण तिवारी, ओम प्रकाश पटेल, पप्पू द्विवेदी ,आलोक तिवारी सहित सैकड़ों सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

ब्लाक मेजा व मांडा में बीजेपी तथा उरुवा से सपा पत्याशी की हुई जीत

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा विधानसभा क्षेत्र के मेजा ,मांडा व उरुवा ब्लॉक मे मतदान व मतगणना पूरी तरह से शांति पूर्ण ढंग से संपनन हुआ, जिसमें मेजा व मांडा से भाजपा प्रत्याशी और उरुवा से सपा प्रत्याशी की जीत हुई।

मेजा ब्लाक में भाजपा प्रत्याशी गायत्री मिश्रा 75 वोट पाकर विजई घोषित हुई जबकि बसपा प्रत्याशी राजकुमारी को 24 वोट से संतोष करना पड़ा। मेजा में पूरे 99 बी डी सी ने मतदान किया। वहीं उरुवा ब्लॉक में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी आरती गौतम ने 66 वोट पाकर विजय हासिल की जबकि गायत्री मिश्रा को 36 वोट से संतोष करना पड़ा। उरुवा में पूरे 102 क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने वोट किया। सपा प्रत्याशी आरती गौतम ने जीत के बाद वहां मौजूद सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इसी प्रकार मांडा ब्लाक में भाजपा समर्थित प्रगति सिंह को 68 मत मिले।

वहीं सपा की ज्योति पांडेय को 21 मत मिले। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा सिंह की बहू प्रगति सिंह 68 मत पाकर विजयी रही। क्षेत्र पंचायत के 90 मतदाताओं में 89 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वार्ड नं 53 से निशा सिंह पतनी अमित सिंह ने मतदान नही किया।

बता दें कि सुबह 11 बजे से पुलिस प्रशासन की छावनी के बीच तीनों ब्लाकों में सकुशल मतदान संपनन हुआ।सकुशल मतदान को लेकर पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दीक्षित ने पुलिस अधिकारियों के साथ पैदल गश्त किया। मेजा विधानसभा के तीनों ब्लॉकों में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान/ मतगणना संपनन हुआ।

मतदान व मतगणना के समय उप जिला अधिकारी मेजा रेनू सिंह, सीओ मेजा डॉ भीम कुमार गौतम, थाना प्रभारी मेजा अरुण चतुर्वेदी, चौकी प्रभारी मेजारोड पंकज कुमार त्रिपाठी, चौकी प्रभारी सिरसा राजकुमार,चौकी प्रभारी जेवनियां आशीष चौबे,चौकी प्रभारी कोहड़ार विनोद सिंह सहित तहसीलदार मेजा आशीष शर्मा, ए डी एम प्रशासन अनिल दुबे,खंड विकास अधिकारी सपना अवस्थी तथा ब्लॉक के अधिकारी व कर्मचारी और भारी संख्या में पुलिस फोर्स उपस्थित रहे।

बहरिया ब्लाक के प्रमुख पद हेतु निर्दलीय प्रत्याशी योगेश पांडे ने 12 मतों से की जीत हासिल

शांतिपूर्वक ढंग से हुआ ब्लाक प्रमुख का चुनाव, चप्पे-चप्पे पर पुलिस प्रशासन रही मौजूद

अखंड भारत संदेश

बहरिया। क्षेत्र पंचायत ब्लॉक प्रमुख बहरिया के कांटे के चुनाव में दिनभर धमासा भी लगी रही?।वहीं सुबह 11:00 बजे से 3:00 बजे दोपहर दिन तक निर्वाचन आयोग की देखरेख में शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपनन हुआ।क्षेत्र पंचायत सदस्य के कुल 115 वोट में सभी मत पड़े जिसमें निर्दलीय प्रत्याशी योगेश पांडे को 62 मत प्राप्त हुए।वही भाजपा प्रत्याशी शशांक मिश्रा को 50 मत प्राप्त हुए और सपा प्रत्याशी नागेंद्र कुमार यादव को मात्र 1 मत प्राप्त हुए।

तथा 2 मत अवैध घोषित हुए इस प्रकार निर्दलीय प्रत्याशी योगेश पांडे ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी शशांक मिश्रा को 12 मतों से पराजित किया और चुनाव आयोग निर्वाचन अधिकारी ने योगेश पांडे को विजयी घोषित किया इसी प्रकार भाजपा के पंडाल में जहां भाजपा के पूर्व जिला पंचायत सदस्य कमलेश पाल पूर्व महानगर अध्यक्ष संदीप दुबे पंकज श्रीवास्तव कमलेश धैकार परसोत्तम पांडे पुष्प राज साहू (अधिवक्ता)अशोक तिवारी योगेश तिवारी बच्चा तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।वही निर्दलीय प्रत्याशी योगेश पांडे की जीत होने पर निर्दल प्रत्याशी के समर्थक व सपा प्रत्याशी के समर्थकों में खुशी की लहर उमड़ पड़ी और वहा पर मौजूद निर्दलीय प्रत्याशी के पिता शिवदत्त पांडे के चेहरे खिल उठे वही भाई पूर्व ब्लाक प्रमुख कुलदीप पांडे की जय जयकार होने लगी साथ में मनोज कुमार मिश्रा चिंतामणि मिश्रा विकास मिश्रा राजकुमार यादव सुभाष यादव दशरथ यादव संतलाल भारतीय आदि लोग सैकड़ों की संख्या में मौजूद रहे।वही प्रशासन की देखरेख में बड़े मुस्तैदी के साथ शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपनन कराया गया।तथा बहरिया चौराहे पर बैरिकेडिंग करके वाहनों को दूसरी तरफ सड़क से आने जाने का प्रतिबंध किया गया था।जिससे चुनाव सव कुशल हो सके।और किसी प्रकार की होनी अनहोनी ना हो।और निर्दल प्रत्याशी योगेश पांडे की जीत होने पर कड़ी सुरक्षा पुलिस बल के साथ उनके निज आवास पर सुरक्षा पूर्वक पहुंचाया गया।

चुनावी रजिंश में महिला प्रधान को घर में घसीट कर पीटा

अखंड भारत संदेश

करछना थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मछहर का पुरवा में देर शाम चुनावी रंजिस को लेकर मार पीट हो गयी और एक दूसरे पर मार पीट व छेड़खानी तथा लूटपाट की करछना थाने में तहरीर दी गई है, मामले को लेकर पुलिस जांच करने में जुटी हुई है ।जानकारी के मुताबिक उक्त गांव में प्रधानी के चुनाव में गांव की राजकुमारी पतने महेन्द्र कुमार और तारा देवी पतने बबुलेश ने चुनाव लडा था जिसमें राज कुमारी की जीत हुई थी, तभी से दोनों के बीच तनाव चला आ रहा है ।शुक्रवार को प्रमुख पद के लिए चुनाव में राज कुमारी वर्तमान प्रधान का पति महेन्द्र कुमार करछना ब्लाक से अपने घर लौट रहा था कि गांव के कोटेदार के घर के सामने गांव के कुछ लोग व उनके साथ महिलाओं ने मिल कर महेन्द्र कुमार को रोक कर मार पीट करने लगे, और उसके पास से 7000,रुपये भी छीन लिया, इतने के बाद भी दर्जन भर से अधिक लोग प्रधान राज कुमारी के घर में घूस कर तांडव मचाया और उसके साथ छेड़खानी करने का प्रयास किया, हालांकि मारपीट में कइयों को चोटें आई हैं और दोनों तरफ से दर्जन भर लोगों को नामजद लिखित शिकायत थाने में की गई है, घटना को लेकर एसो करछना राकेश कुमार सिंह ने देर शाम घटना स्थल पर जाकर छान बीन करने जुटे रहे ।

जसरा में सीसीटीवी फुटेज को देखकर घोषित होगा चुनाव परिणाम

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। विकास खंड कार्यालय जसरा में मतगणना के दौरान मतपत्र के साथ रुपए निकालने को लेकर विवाद हो गया। भाजपा प्रत्याशी ने रुपए के साथ निकले मतपत्रों को अवैध घोषित कर चुनाव परिणाम घोषित करने की मांग को लेकर अधिकारियों का घेराव कर दिया । दर्जनों समर्थको ने विकास खंड कार्यालय में अधिकारियों को घेर लिया। शनिवार को जसरा विकास खंड कार्यालय के क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष का चुनाव कराया गया । जिसमें कुल 89 क्षेत्र पंचायत सदस्यों में 83 सदस्यों ने अपने मत का प्रयोग किया । जबकि 6 बीडीसी सदस्यों ने वोट नहीं डाला । 3:00 बजे के बाद जैसे ही मतगणना शुरू हुई मतपत्र के साथ 10 और 50 के नोट निकलने पर भाजपा प्रत्याशी ने मतदान अधिकारी से विरोध किया । तथा कहा कि रुपए के साथ निकले इन मतपत्रों को अवैध घोषित किया जाए। भाजपा प्रत्याशी चंद्रप्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि जिन मतपत्रों के साथ रुपए निकाले गए उन मत पत्रों को मतगणना अधिकारी द्वारा अलग कर दिए गए थे । आरोप है कि मतगणना अधिकारी ने उन मतपत्रों को भी मतगणना में शामिल कर चुनाव का परिणाम घोषित कर दिया। घोषित परिणाम में सपा प्रत्याशी अजीत सिंह उर्फ पप्पू को 44 वोट मिले तथा भाजपा प्रत्याशी चंद्र प्रकाश त्रिपाठी को 36 वोट मिले। जबकि 3 मतपत्र अवैध घोषित किया गया। इस प्रकार 8 वोट से सपा प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। जिसको लेकर विकास खंड कार्यालय में विवाद हो गया । विजयि प्रत्याशी अजीत सिंह उर्फ पप्पू

को पुलिसकर्मियों ने अपने बोलोरो गाड़ी में बैठा कर उनके घर के लिए निकल गए । इसके बाद भाजपा प्रत्याशी के समर्थकों ने विकास खंड कार्यालय में उपस्थित अधिकारियों को का घेराव कर दिया। तथा नोट के साथ मिले मतपत्रों को अवैध घोषित कर चुनाव परिणाम बदलने की मांग करने लगे। हंगामा की सूचना पर कई थानों की पुलिस के साथ एडीएम प्रशासन विजय शंकर दुबे व सिटी मजिस्ट्रेट रजनीश मिश्रा तथा एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित मौके पर पहुंच गए ।भाजपा प्रत्याशी से घंटो वार्तालाप के बाद यह तय किया गया कि मतगणना का सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जिलाधिकारी प्रयागराज द्वारा विजेता का निणर्य किया जाएगा । इसके बाद सभी शहर के लिए रवाना हो गए।

मतदान अधिकारी डीपीआरओ मनोज कुमार राव ने बताया कि चुनाव परिणाम में कोई संशोधन नहीं होगा । तथा मतगणना में किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं की गई है । उन्होंने कहा कि अगर रुपए मतपत्रों के साथ पिन किया हुआ या चस्पा किया हुआ होता तो उन मतपत्रों को अवैध घोषित किया जाता । लेकिन ऐसा नहीं था । डिब्बे से रुपए निकलने को लेकर मतगणना से किसी प्रकार का संबंध नहीं है ।इसलिए चुनाव परिणाम में कोई संशोधन नहीं किया जाएगा। वही समाचार लिखे जाने तक बीजेपी प्रत्याशी के समर्थक विकास खंड कार्यालय को घेरे हुए थे।

क्षेत्र पंचायत प्रमुख:शंकरगढ़ में रिकार्ड मतों से जीती भाजपा की निर्मला देवी

सपा प्रत्याशी गुलाब कली को मिले 12 मत

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। ब्लॉक प्रमुख के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी ने भारी मतों के अंतर से जीत दर्ज की है। विकास खंड शंकरगढ़ में भाजपा प्रत्याशी को कुल 70 मत मिले हैं,जबकि विपक्षी सपा प्रत्याशी को महज 12 मतों से संतोष करना पड़ा, तीन मत अवैध पाए गए हैं।

विकास खंड शंकरगढ़ में भाजपा से निर्मला देवी और सपा से गुलाबकली ने पर्चा दाखिल किया था। शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान संपन्न करवाया गया। तीन बजे तक मतदान हुआ। इसके बाद मतों की गणना शुरू की गई, जिसमें भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी निर्मला देवी ने 70 मतों के साथ भारी अंतर से जीत दर्ज की है। यहां पर सपा प्रत्याशी को महज 12 मत मिले हैं। जबकि तीन मत अवैध पाए गए। विकास खंड शंकरगढ़ में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की कुल संख्या 85 हैं। यहां पर मतदान शत प्रतिशत हुआ है। जीत के उपरांत आरओ आरके वर्मा ने विजेता प्रत्याशी को प्रमाणपत्र प्रदान किया। चुनाव में पारदर्शिता व सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए एडीएम (सप्लाई) जीतेंद्र कुशवाहा एसडीएम बारा सौम्या गुरुरानी, सीओ बारा, नायब तहसीलदार, एसओ शंकरगढ़ कुलदीप कुमार तिवारी, राजस्व निरीक्षक प्राची केसरवानी, एसआई अवनेंद्र सिंह, अरविंद कुमार सिंह मतदान से लेकर मतगणना तक बने रहे। मतदान व गणना के दौरान वीडियोग्राफी भी करवाई गई है। भाजपा प्रत्याशी के जीत की जानकारी होते ही तमाम भाजपाई ब्लाक मुख्यालय पहुंच गए और निर्मला देवी को मिठाई खिलाकर जीत का जशन मनाया। इस मौके पर कुंवर दिनेश सिंह, विजय शंकर शुक्ल,अश्वनी सिंह, महेंद्र शुक्ल, बृजेश सिंह, नेपाल सिंह, अंजनीलाल,चंद्र बली सिंह, प्रधान शैलेंद्र सिंह गुलाब सिंह,पुष्पराज सिंह, मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, सतीश कुमार विश्वकर्मा, परमेश्वर सिंह,एजाज अहमद आदि मौजूद रहे।

भाजपा ब्लॉक प्रमुख ने सांसद केसरी देवी पटेल से लिया आशीर्वाद

शंकरगढ़। विकासखंड शंकरगढ़ से रिकार्ड मतों से जीत दर्ज करने वाली भाजपा प्रत्याशी निर्मला देवी का भाजपाइयों ने जोरदार स्वागत किया। शंकरगढ़ ब्लाक मुख्यालय से जीत का सर्टिफिकेट मिलने के बाद विजय शंकर शुक्ला,मंडल अध्यक्ष अंजनी लाल, प्रधान शैलेंद्र सिंह, पुष्पराज सिंह, गुलाब सिंह समेत दर्जनों भाजपाइयों ने निर्मला देवी को फूल मालाओं से लाद दिया। इसके बाद निर्मला देवी शहर जाकर सांसद केसरी देवी पटेल और पूर्व विधायक दीपक पटेल से आशीर्वाद लिया।मौके पर बृजेश सिंह,विजय पटेल,अजीत सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

विकासखंड जसरा में सपा प्रत्याशी अजीत सिंह विजयी

अखंड भारत संदेश

जसरा।प्रयागराज। निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार हुए क्षेत्र पंचायत के चुनाव को लेकर सबेरे से ही चुस्त दुरुस्त ब्यवस्था के बीच सुबह 11बजे से मतदान शुरू किया गया। मतदान को लेकर भारी पुलिस बल के बीच मतगणना की गई। जिसमें अजीत सिंह उर्फ पप्पू सिंह विजयी घोषित किए गए।

शुक्रवार सुबह ग्यारह बजे से धीमी गति से मतदान शुरू हुआ। दोपहर बाद ढाई बजे तक कुल 83 लोगों ने मतदान किया। जब कि अन्तिम समय तक छः लोगों ने मतदान में भाग नहीं ले पाये। तीन बजे के बाद मतगणना शुरू हुई। जिसमें समाजवादी पार्टी के अजीत सिंह उर्फ पप्पू सिंह को 44 मत मिले। वहीं चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी को 36 वोट मिले। तीन मत अवैध घोषित किया गया। इस तरह अजीत सिंह उर्फ पप्पू सिंह 8 वोटों से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी को पराजित किया। निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार राव ने अजीत सिंह विजयी होने की घोषणा किया। ट्रेनी आईएएस एसडीएम बारा सौम्या गुरुरानी, बीडीओ देवेन्द्र ओझा, क्षेत्राधिकारी अवधेश शुक्ल, राजेश यादव सहित भारी पुलिस बल मौजूद रही।

1- जिलाधिकारी ने किया दौरा

मतदान के समय दोपहर दो बजे जिलाधिकारी प्रयागराज संजय कुमार खत्री व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने मतदान केंद्र का दौरा कर निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार राव को निष्पक्ष चुनाव कराने का निर्देश दिया।

2- जीत के बाद भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस का छूटा पसीना

अजीत सिंह उर्फ पप्पू सिंह के जीत की भनक जैसे ही पप्पू सिंह समर्थकों को हुई। सैकड़ों की भीड़ नारे लगाते हुए ब्लॉक कार्यालय की तरफ बढ़ने लगी। पुलिस के काफी मशक्कत के बाद किसी तरह भीड़ को पुलिस ने वापस किया। वहीं आरोप है कि 8 मतपत्रों के साथ 100 और 50 रूपये की नोट मिली है। तथा एक मतपत्र में पर्ची लगी हुई मिली।

इस प्रकार 9 मतपत्र को अवैध मानकर पुनः गिनती कराने की मांग की गई। वहीं भाजपा प्रत्याशी चंद्रप्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि नौ अलग किए गए मतपत्रों को जोड़कर परिणाम घोषित कर दिया गया जिसको लेकर विवाद चल रहा है।इस मौके पर एडीएम प्रशासन विजय शंकर दुबे एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित व एसडीएम बारा सौम्या गुरु रानी के साथ भाजपा प्रत्याशी चंद्र प्रकाश त्रिपाठी की वार्ता चल रही है। मौके पर नगर मजिस्ट्रेट रजनीश मिश्रा भी मौजूद रहे।

नवसृजित श्रृंगवेरपुर ब्लाक पर सपा प्रमुख का कब्जा

---श्रृंगवेरपुर ब्लॉक प्रमुख चुनाव पर सपा और भाजपा के पदाधिकारियों की टिकी रही निगाहें।

---आरएएफ, पीएसी के जवान और स्थानीय पुलिस के साए में संपन्न हुआ चुनाव।

---विजयी प्रत्याशी कल्पना पांडे ने श्रृंगी ऋषि व मां शांता की मंदिर पर टेका मत्था।

अखंड भारत संदेश

लालगोपालगंज। नवगठित श्रृंगवेरपुर ब्लॉक में प्रमुख पद का चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आता गया वैसे ही दिलचस्प हो गया। ब्लॉक प्रमुख की सीट हासिल करने के लिए सपा और भाजपा के दो प्रत्याशियों ने ही पर्चा दाखिल किया था। सुचारू रूप से चुनाव संपन्न कराने के लिए आरएएफ, पीएसी के जवान और स्थानीय पुलिस तैनात रही।

श्रृंगवेरपुर ब्लॉक में चुनाव की तमाम तैयारियां एक दिन पहले ही मुकम्मल कर ली गई थीं। शनिवार को समय से मतदान शुरू हुआ। 65 मतदाताओं ने अपने वोट डालें। चुनावी मैदान में सपा समर्थित प्रत्याशी कल्पना पांडे और भाजपा समर्थित प्रत्याशी रामचंद्र यादव फौजी एक दूसरे के सामने रहे। किसी प्रकार का व्यवधान न पैदा होने के लिए बूथ पर एसडीएम समेत विभिन्न विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। जबकि आरएएफ, पीएसी के जवान और स्थानीय फोर्स मुसलसल अपनी निगाहें जमाए रही। बूथ छावनी में तब्दील रहा। 3 बजे से मतदान करने की प्रक्रिया शुरू हुई। जिसमें मतदाताओं ने सपा समर्थित प्रत्याशी कल्पना पांडे को 51 मत दिया। जबकि भाजपा प्रत्याशी रामचंद्र फौजी को 13 वोट ही मिले।

एक वोट अवैध साबित हुआ। श्रृंगवेरपुर ब्लाक प्रमुख पद प्रत्याशी कल्पना पांडे के सर जीत का सेहरा सजा दिया गया। जीत हासिल करने के तुरंत बाद विजयी प्रत्याशी कल्पना पांडे अपने पति मनोज पांडे के साथ श्रृंगवेरपुर स्थित श्रृंगी ऋषि व मां शांता की मंदिर पर पहुंच कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समर्थकों ने समाजवादी पार्टी जिंदाबाद, अखिलेश यादव जिंदाबाद, मनोज पांडे जिंदाबाद, कल्पना पांडे जिंदाबाद के नारे लगाए। इस अवसर पर सपा के तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता के साथ सैकड़ों समर्थक मौजूद रहे।

पोलिंग सेंटर के बाहर से बीडीसी सदस्य के अपहरण की कोशिश, लाइव वीडियो वायरल होने पर हड़कम्प

अखंड भारत संदेश

नैनी। यूपी के प्रयागराज स्थित चाका ब्लाक प्रमुख के पद के लिए शनिवार को हो रहे मतदान के दौरान एक बीडीसी की सरेआम अपहरण की कोशिश की गई। यमुनापार के विकास खंड चाका के गेट के सामने हुए इस अपहरण का लाइव वीडियो वायरल हुआ तो हड़कंप मच गया। पता चलने पर पहुंचे पुलिस वालों ने किसी तरह से स्थिति को संभाला और अपहृत बीडीसी को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छुड़वाया। रीवा रोड पर लगी भीड़ को पुलिस ने लाठी पटक कर तितर बितर किया। अपहरण की कोशिश का आरोप सपा प्रत्याशी के समर्थकों पर लगा है।

सपाइयों को शक था कि बीडीसी ने क्रॉस वोटिंग की है

अखंड भारत संदेश

नैनी। चाका ब्लॉक गेट के ठीक बाहर अपहरण की घटना से हड़कम्प मचा रहा। बताया गया कि वोट डालने के बाद बीडीसी सदस्य मुमताज बाहर निकल रहा था। सपा कार्यकर्ताओं को आशंका थी कि मुमताज ने क्रॉस वोटिंग की है और बीजेपी के पक्ष में मतदान किया है। अपहरण के कोशिश की घटना के बाद पुलिस ने पोलिंग सेंटर के बाहर लोगों को लाठियों के बल पर हटाया। चाका ब्लाक सेंटर के बाहर माहौल तनावपूर्ण बन गया था। सपा और बीजेपी के समर्थक आमने सामने आ गए थे। हालांकि बाद में हालात सामान्य हो गई। यहां से सपा प्रत्याशी अनिल कुमार पटेल विजयी घोषित किए गए। इस संबंध में नैनी कोतवाली से संबंधित मामा भांजा पुलिस चौकी इंचार्ज जगदीश कुमार का कहना है कि अपहरण नहीं हुआ था। कुछ लोग बीडीसी सदस्य को गाड़ी में बैठाने की कोशिश कर रहे थे, जिन्हें डाट डपटकर छुड़ा दिया गया।

फांसी लगाकर युवक ने दी जान

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के अरैल गांव में बीती रात एक युवक फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाहर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। जानकारी के मुताबिक अरैल ग्राम सभा के निषाद बस्ती निवासी संतोष कुमार निषाद (30) पुत्र भारत निषाद बीते कुछ दिनों से किसी बात को लेकर परेशान चल रहा था।

बीती रात वह भोजन आदि करने के बाद अपने कमरे में सोने के लिए चला गया। शनिवार सुबह जब वह सोकर नहीं उठा तो परिजनों ने रोशनदान से देखा कि वह साड़ी और छत के चुल्ले की मदद से फांसी के फंदे पर झूल रहा है। यह देख परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह से बंद दरवाजे को खोला गया और फांसी पर लटक रहे युवक को नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। मृतक के तीन लड़के एक मासूम बच्ची है।

कोरोना टीका करण का किया गया आयोजन

अखंड भारत संदेश

नैनी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय प्रयागराज से प्राप्त सहयोग पर आधारित आइक्यूएसी एवं नैक समिति के संयुक्त तत्वावधान में आज दिनांक 10 जुलाई 2021 को हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय सनतकोत्तर महाविद्यालय नैनी में कोरोना टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के प्राध्यापक,कर्मचारी व उनके परिजन तथा आसनन परीक्षा से संबंधित छात्र छात्राओं ने टीकाकरण का लाभ प्राप्त किया। प्राप्त सूचना के अनुसार इस कैंप में कुल 260 छात्र और छात्राओं का टीकाकरण किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोः सुनंदा चतुर्वेदी के द्वारा किया गया। शिक्षा अधिकारी प्रयागराज के द्वारा डॉ शैलेश कुमार मौर्य, श्यामा कुमार बीएचडब्लूयू, सुषमा रानी के कुशल सहयोग से कैंप का संचालन व प्रबंधन महाविद्यालय की आइक्यूएसी एवं नैक समिति की संयोजक डॉ सुबर्ना सरकार के नेतृत्व में समिति सदस्यों डॉ भास्कर शुक्ल, डॉ स्मिता पाल, डॉ सुरेश पटेल, डॉ विपिन कुमार, डॉ मीनाक्षी राठौर, डॉ आशित जायसवाल द्वारा किया गया। महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों डॉ ए के झा, डॉ मंजू लता, डॉ नीतू सिंह, डॉओम प्रकाश के निर्देशन में यह कार्यक्रम सजतापूर्वक संपनन हो सका। उक्त जानकारी मीडिया प्रकोष्ठ से डॉ भास्कर शुक्ल एवं डॉ अमित कुमार मिश्र द्वारा प्रदान की गई।

दीवार में सेंध लगाकर हजारों की चोरी

अखंड भारत संदेश

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के मवइय्या गांव में शुक्रवार रात चोरों के एक गिरोह ने इलाकाई पुलिस को खुली चुनौती देते हुए चोरी की घटना को एक बार फिर अंजाम दे डाला। इस बार दीवार में सेंध लगाकर नकदी समेत हजारों रुपए के उपकरण पर हाथ साफ कर फरार हो गए।

मामले की तहरीर पुलिस को दी गई है।जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र के मवइय्या गांव के पाल बस्ती निवासी भगवत पाल का परिवार शुक्रवार रात भोजन आदि करने के बाद अपने-अपने कमरे में सोने के लिए चले गए। शुक्रवार रात में चोरों ने मकान के पीछे से दीवार में सेंध लगाकर अंदर दाखिल हो गए और बक्से के अंदर रखे 10 हजार रुपए नकदी समेत हजारों रुपए कीमती चांदी के जेवरात उठा ले गए।

शनिवार सुबह परिजन जब सो कर उठे और कमरे में अंदर मौजूद सामानों को अस्त-व्यस्त देख उनके होश उड़ गए। भुक्तभोगी के द्वारा घटना की सूचना इलाकाई पुलिस को दी गई है। पुलिस मामले में जांच पड़ताल कर रही है। बता दें कि स?डवा पुलिस चौकी के अंतर्गत बीते कुछ दिनों के अंतराल में ही कई चोरी की घटनाओं को संगठित चोरों के गिरोह द्वारा अंजाम दिया जा चुका है। फिर भी अब तक चोरों का कोई सुराग पुलिस के द्वारा नहीं लगाया जा सका है।

राज्यसभा सदस्य की रणनीति आई काम यमुनापार में भाजपा पस्त

अखंड भारत संदेश

नैनी। राज्यसभा सदस्य कुंवर रेवती रमण सिंह की रणनीति आखिरकार काम आ ही गई। प्रयागराज जिले के अंतर्गत यमुनापार क्षेत्र में शनिवार को संपनन हुए ब्लॉक प्रमुख चुनाव में समाजवादी पार्टी के अत्यधिक सीट मिलने पर उनकी रणनीति की ही चारों ओर चर्चा का केंद्र कायम रहा। यमुनापार में समाजवादी पार्टी के अत्यधिक प्रत्याशियों के विजयी घोषित होने पर राज्यसभा सदस्य कुंवर रेवती रमण सिंह ने इसे जनता जनार्दन की जीत बताया। सत्ता दल से जुड़े प्रत्याशियों के हार के पीछे राज्यसभा सदस्य ने उत्तर प्रदेश व केंद्र में काबीज भारतीय जनता पार्टी सरकार की नीतियों का हार बताया।

नैनी के लाल को आइकॉन अवार्ड से किया जाएगा सम्मानित

अखंड भारत संदेश

नैनी। यमुनापार कलाकार संघ के अध्यक्ष प्रियांशु श्रीवास्तव को राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन द्वारा नई दिल्ली में रविवार को आयोजित सम्मान समारोह में इंडियन आईकॉन अवॉर्ड 2021 सम्मानित करने के लिए दिल्ली आमंत्रित किया गया है।

इस वर्ष इंस्पायरिंग पीपल ऑफ इंडिया अवार्ड, काशी अवध रतन अवार्ड के बाद प्रियांशु को राष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाला यह तीसरा पुरस्कार है, जो उन्हें गायन के क्षेत्र में दिया जा रहा है त् विदित हो कि विगत वर्ष कलाकारों के उत्थान के लिए प्रियांशु श्रीवास्तव द्वारा यमुनापार कलाकार संघ के माध्यम से किए गए प्रयास के लिए उन्हें विशिष्ट पहचान मिली थी। साथ ही अपनी गायकी के अलग अंदाज के लिए पहचाने जाने वाले प्रियांशु श्रीवास्तव को यह पुरस्कार नेशनल ह्यूमन राइट आर्गेनाईजेशन द्वारा दिया जा रहा है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

चाका ब्लाक के सामने की घटना, सपा प्रत्याशी पर आरोप

अखंड भारत संदेश

नैनी। विकास खंड चाका में सपा की तरफ से अनिल कुमार सिंह पटेल और भाजपा की तरफ से राजू सिंह पटेल ब्लाक प्रमुख का चुनाव लड़ रहे थे। शनिवार को वोटिंग चालू थी। दोपहर में पोलिंग स्टेशन के बाहर से हाकी और डंडे के बल पर सफेद रंग की सफारी कार सवार लोग बीडीसी सदस्य मुमताज अहमद को जबरन गाड़ी में बैठाने लगे। अपहरण की कोशिश कर रहे हैं। लोग बीडीसी सदस्यों से कहीं चलने के लिए कह रहे थे, लेकिन वह कह रहा था कि मेरी बेटी की तबीयत खराब है। इसलिए मैं कहीं नहीं जाऊंगा। देखते ही देखते वहां अच्छा खासा मजमा लग गया। रीवा रोड जाम हो गई और दिनदहाड़े पुलिस के नाक के नीचे सरेआम किसी के अपहरण की कोशिश देख लोग भौचक रह गए। पता चलने पर वहां मौजूद पुलिस वाले पहुंचे और डांट डपट कर बीडीसी को उठाने की कोशिश कर रहे लोगों को वहां से हटाया। इसी दौरान किसी ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

बंद मकान को फिर चोरों ने बनाया निशाना, नकदी समेत हजारों रुपए के जेवरात पर किया हाथ साफ

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के आर्दश नगर कॉलोनी, डभांव चाका ब्लाक में स्थित एक सूने घर का ताला तोड़कर चोरों ने नकदी समेत हजारों के सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ करते हुए फरार हो गए। वही संबंधित पुलिस चौकी के पुलिसकमिर्यों को चोरों ने एक बार फिर घटित वारदात को अंजाम देते हुए उन्हें चुनौती दे डाला। बता दें कि नैनी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत विभिनन इलाकों में चोरी की विभिनन घटनाएं घट चुकी है, लेकिन पुलिस किसी भी चोरों का सुराग तक हासिल नहीं कर पाई है। हालांकि भुक्तभोगी ने घटित चोरी की वारदात की तहरीर कोतवाली पुलिस को दी है।

जानकारी के मुताबिक नैनी कोतवाली क्षेत्र के आर्दश नगर, डभांव के रहने वाले चिंतामणी शर्मा चाका ब्लाक के समीप सैलून चलाते हैं। वह बीते चार जुलाई को अपने मकान में ताला बंद कर रींवा स्थित एक रिश्तेदार के यहां पर गए हुए थे। शनिवार सुबह चिंतामणी को पड़ोसियों ने उन्हें जानकारी दी कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है। जिसके बाद वह आनन-फानन में नैनी स्थित घर पहुंचे और देखा की मेन गेट का ताला टूटा हुआ था और अंदर कमरे में रखी आलमारी भी टूटी हुई थी। भुक्तभोगी के मुताबिक चोरों ने आलमारी मे रखे लगभग 40 हजार रूपए नकदी व करीब 70 हजार रूपए के सोने-चांदी के जेवरात गायब थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हर बार की तरह, इस बार भी जांच पड़ताल करते हुए बैरंग वापस लौट आई।

भाजपा प्रत्याशी की करारी हार सपा के मुकेश कोल हुए विजई

पूर्व ब्लाक प्रमुख व विधायक रामकृपाल ने मिलकर बांधा मुकेश के सर जीत का सेहरा

158 क्षेत्र पंचायत सदस्यों में 156 ने किया मतदान

अखंड भारत संदेश

कोरांव/प्रयागराज। विकासखंड कोराव मुख्यालय पर सुबह 11 बजे से शुरू हुए ब्लाक प्रमुख पद चुनाव को लेकर 158 क्षेत्र पंचायत सदस्यों के सापेक्ष 156 ने मतदान किया। सुबह 11 बजे से शुरू हुआ मतदान सायं 3 बजे तक चला । जिसके तत्काल बाद मतगणना की गई। जिसमें समाजवादी पार्टी के समर्थित उम्मीदवार मुकेश कोल ने 130 मत पाकर भाजपा समर्थित प्रत्याशी परमानंद आदिवासी को 117 , मतों से पराजित कर जीत हासिल की । कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने मतदान किया। ब्लॉक के दोनों तरफ बैरिकेडिंग कर दी गई थी। जहां से क्षेत्र पंचायत सदस्यों को ही अंदर जाने दिया गया, बाकी लोगों को बाहर ही रोक दिया गया। बिना प्रमाण पत्र के किसी भी क्षेत्र पंचायत सदस्य को ब्लाक मुख्यालय के अंदर प्रवेश नहीं कर सके। विकासखंड कोरांव में प्रमुख पद के लिए 3 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। जिसमें भारतीय जनता पार्टी से परमानंद कोल को महज 13 मतों से ही संतोष करना पड़ा। वहीं अपना दल एस की समर्थित उम्मीदवार कुसुम कली कोल को दो मत मिले। ज्ञातब्य हो कि समाजवादी पार्टी से विजई हुए मुकेश कोल क्षेत्र पंचायत प्रमुख चुनाव के पूर्व भारतीय जनता पार्टी के विधायक राजमणि कोल के प्रतिनिधि थे और परमानंद कोल समाजवादी पार्टी से अपना प्रचार प्रसार कर रहे थे। किंतु जैसे ही चुनाव नजदीक आया वैसे ही दोनों उम्मीदवारों ने पार्टी बदल दी। सपा के परमानंद कोल भाजपा के बैनर तले चुनाव मैदान में आ गए। वहीं कोरांव विधायक के बेहद करीबी रहे मुकेश कोल ने पाला बदलते हुए समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली और सपा से ही प्रमुख पद का चुनाव लड़ कर जीत का सेहरा बांधा। जिसमें भाजपा उम्मीदवार परमानंद कोल को 117 मतों से पराजित किया। एआरओ कोरांव विनोद कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 158 क्षेत्र पंचायत सदस्यों में कुल 156 ने मतदान किया। जिसमें 11 मत अवैध पाए गये। मतदान के दौरान उप जिलाधिकारी कोरांव अभिनव कनौजिया एडीएम प्रशासन, सीओ मेजा, थाना प्रभारी कोरांव सुरेश सिंह भारी पुलिस बल के साथ तैनात रहे। चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस सड़कों पर मार्च करती रही और अनावश्यक लोगों को ब्लॉक मुख्यालय से दूर रखा गया।

पूर्व ब्लाक प्रमुखों ने भी मुकेश का दिया साथ

सपा समर्थित ब्लाक प्रमुख के प्रत्याशी मुकेश कोल को विजई बनाने में पूर्व ब्लाक प्रमुख जगदीश प्रसाद सिंह, गायत्री प्रसाद तिवारी , राम अवध कुशवाहा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य ललन सिंह पटेल , विधानसभा प्रभारी समाजवादी पार्टी व वर्तमान जिला पंचायत सदस्य सोमदत्त सिंह पटेल, सहित पूर्व विधायक रामकृपाल कोल ने भी मुकेश कोल को ब्लाक प्रमुख के चुनाव में विजई बनाने के लिए भरसक प्रयास किया।

धनूपुर में भाजपा को हराकर सपा की ज्योति बनी प्रमुख

अखंड भारत संदेश

हंडिया। विकास खंड धनूपुर में सपा से जीती ज्योति यादव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा की वन्दना कुशवाहा को 12 मतों से हराकर चुनाव को जीता। धनूपुर में कुल 116 क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने मतदान किया। जिसमें भाजपा प्रत्याशी को 49 मत तथा सपा प्रत्याशी को 61 मत पाकर विजय का पताका लहराया । जब कि 6 मत अवैध पाये गये। जीत परिणाम आने पर मौजूद रहे सपा के जिला अध्यक्ष योगेश यादव समेत कार्यकर्त्ताओं ने माला पहनाकर कर बधाई दी।

मेडिकाल कालेज मे कोविड-19 की वैक्सिन लगवाने के बाद अशुलेशन मे बैठे लाभार्थि।

माधव ज्ञान केंद्र के नवागत प्रधानाचार्य का हुआ स्वागत

नैनी। विद्या भारती से माधव ज्ञान केंद्र इंटर कॉलेज, नैनी के खरकौनी में स्थानान्तरित नवागत प्रधानाचार्य डॉ. विंध्यवासिनी प्रसाद त्रिपाठी का प्रबंधक शिव कुमार पाल ने स्वागत किया एवं पदभार ग्रहण कराया। इस अवसर पर सुरेश्वर मिश्र, राधे श्याम तिवारी, जनार्दन प्रसाद त्रिपाठी, रमेश यादव, अमित कुमार नायक, कपिलदेव सिंह, सभाजीत पाल, राज कुमार मिश्र, किशन प्रकाश, पद्मा सिंह, वंदना सिंहा, आशा, सविता त्रिपाठी, गीता सिंह आदि शिक्षक एवं शिक्षकाओं ने नवागत प्रधानाचार्य का स्वागत किया।

भाजपा प्रत्याशी को 9 मतों से हराकर निर्दल महेंद्र ने मारी बाजी

अखंड भारत संदेश

हंडिया। आयोजित हुए ब्लाक प्रमुख चुनाव में परिणाम आने के बाद चौंकाने वाला हो गया। हंडिया ब्लाक प्रमुख के परिणाम आते ही निर्दल प्रत्याशी के समर्थक नारा लगाते हुए दौड़ पड़े। भाजपा प्रत्याशी मस्तान सिंह को 9 मतों से हराकर निर्दल प्रत्याशी महेंद्र प्रताप सिंह ने जीत का सेहरा अपने सिर पर बांधा। वहीं सपा प्रत्याशी हरिश्चंद्र यादव को 1 मत ही पाकर संतोष करना पड़ा। हंडिया में कुल 106 क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने अपने मतों का प्रयोग किया। जिसमें भाजपा के प्रत्याशी मस्तान सिंह को 47 मत और निर्दल प्रत्याशी महेंद्र प्रताप सिंह को 56 मत तथा सपा प्रत्याशी हरिश्चंद्र यादव को 1 मिला। जब कि 2 मत अनवैलेट रहा। जीत के बाद समर्थक माला लेकर और जिन्दाबाद का नारा लगाते हुए ब्लाक परिसर की तरफ दौड़ पड़े।

जेठ की पिटाई से घायल महिला की नहीं लिखी गयी रिपोर्ट

अखंड भारत संदेश

हनुमानगंज! घर में जेठ की पिटाई से घायल महिला थाने इस अरमान से आइ। कि उसे पुलिस द्वारा न्याय मिलेगा और उसके जेठ को थाने की पुलिस दण्ड देगी महिला के इस अरमान पर पानी तब फिर गया जब थाने के एक दीवान ने महिला के पति से पांच हजार रुपये की मांग की उसके बाद कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। आर्थिक तंगी से जूझ रही महिला के पति ने एक हजार रुपये दीवान को दिया उसके बाद दीवान ने महिला पर समझौता करने का दबाव बनाने लगा । थाने की पुलिस की इस कार्यप्रणाली की शिकायत महिला के पति ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज से की है।सरायइनायत थाना क्षेत्र के बगई खुर्द निवासी सोनू शर्मा की पतनी गुडि़या की पिटाई दो दिन पूर्व उसके जेठ ने कर दिया था।जिससे उसके सिर में

थाने के एक दीवान पैसा लेकर समझौते का बना रहा दबाव

काफी चोट आ गयी। न्याय की तलाश में गुडि़या थाने पहुँच कर अपने जेठ के खिलाफ तहरीर दी है। आरोप है कि थाने के एक दीवान ने कार्यवाही करने के लिए पांच हजार रुपये की मांग की परेशान महिला के पति ने तंगी से जूझ कर जो गाढ़ी कमाई के एक हजार जुटाये थे उसे दीवान राय ने कार्यवाही के नाम पर ले लिया, पैसा दे देने के बाद महिला के मन में फिर आस जगी कि अभी थोड़ी देर में आरोपी जेठ सलाखों के पीछे होगा, किन्तु मामला सब उल्टा हो गया दीवान ने महिला और उसके पति पर समझौता कर लेने का दबाव बनाने लगा। पीड़ित महिला न्याय के लिए पुलिस से गिड़गिडाती रही।

ब्लाकप्रमुख राजेन्द्र पटेल के जीत के बाद लगा बधाइयों का तांता

अखंड भारत संदेश

उतरांव/प्रयागराज। सैदाबाद ब्लाक के नवनिर्वाचित ब्लाकप्रमुख राजेन्द्र पटेल के जीत के बाद उनके समर्थक व सहयोगियों का लगा बधाई का तांता।बताया जाता है कि शनिवार को सैदाबाद ब्लाक में हुए ब्लाकप्रमुख चुनाव में 58 मत पाकर विजयी हुए।अपनादल एस के दर्जाप्राप्त मंत्री रामलखन पटेल,जिलाध्यक्ष भानुप्रतापप पटेल,विधानसभा अध्यक्ष प्रेम नरायन पटेल,श्यामराज पटेल, प्रशांत सिंह, अनूप सिंह,विजय कुमार सरोज,पंकज पटेल,शमशेर कुमार,दुर्गाप्रसाद, कृष्णकान्त, व प्रतापपुर के वरिष्ठ समाजसेवी अपनादल एस नेता ब्लाकप्रमुख राजेन्द्र पटेल के कार्यलय सिंधौरा मुगरसन पहुचकर जीत की बधाई दी।

बहादुरपुर प्रमुखी का ताज दूसरीबार अरुणेन्द्र के नाम

अखंड भारत संदेश

हनुमानगंज। ब्लाक बहादुरपुर के प्रमुख पद के चुनाव मे दूसरी बार प्रमुखी का ताज अरुणेन्द्र यादव उर्फ डब्बू के सिर सजा है।

बाहादुरपुर से अबकी बार प्रमुखी चुनाव मे चार प्रत्याशियों ने नामांकन किया था। जिसमे एक प्रत्याशी विजेता का सगा भाई था। जिससे यह अटकले लगाए जारहे थे कि लडा़ई त्रिकोडी़ रहेगी। और चुनाव परिणाम मे हुआ भी वही निवर्तमान ब्लाक प्रमुख अरुणेन्द्र यादव उर्फ डब्बू कुल 50 मत पाकर 14 मतो से विजयी हुए वहीं पवन द्विवेदी ने कुल 36 मत हासिल कर दूसरे स्थान पर रहे। सपा से समर्थित प्रत्याशी रहे अंगद यादव कुल 4 मत हासिल कर तीसरे स्थिन पर रहे। बहादुरपुर ब्लाक मे कुल 92 मत पड़ने थे जिसमे दो महिला बीडीसी मतदान करने नहीं पहुँचसकीं जिनका इंतजार आखिरी छड़तक होता रहा। इन्ही दो विवादित महिला मत दाताओं पर हरकिसी की निगाहें टिकी रही। मताधिकार का प्रयोग न करने वाली बीडीसी महिलाओं मे राज कुमारी यरना,व नीलम सीहीपुर इन्ही पर प्रसाशन किभी निगाहें थी । जिससे कुल 92 वोट मे 90 वोट ही पड़ सके।

यरना बीडीसी राज कुमारी के पती दीपक भारतिया ने एक दिन पहले ही अपने पतने राज कुमारी के अगवा होने की रिपोर्ट तीन नामजद व चार अज्ञात के खिलाफ सराय इनायत थाने मे दर्ज करा दी है। जिसकी छानबीन पुलिस कर रही है।

करेली में गोली मारकर युवक की हत्या

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। करेली में रहने वाले राकेश पाल (42) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसका खून से लथपथ शव शनिवार सुबह घर से कुछ दूरी पर स्थित खेत में मिला। मौके से ही उसकी बाइक व शराब की खाली बोतलें भी मिलीं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में एक संदिग्ध नजर आया है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। अफसरों का कहना है कि उसके पकड़े जाने के बाद ही हत्या की वजह साफ हो सकेगी।

करेली के सैदपुर में रहने वाला राकेश पंचर की दुकान चलाता था। घर में पतनी हीरामणि और दो बच्चे हैं। घर के पास ही उसका खेत है, जिसमें उसने ट्यूबवेल भी लगा रखा है। जिससे खेतों में पानी देकर भी वह रोजी कमाता था। इसके चलते वह कभी-कभी ट्यूबवेल के पास ही देर रात तक रुक जाता था। शुक्रवार रात वह बहुत देर तक नहीं लौटा तो घरवालों को लगा कि वह खेत में ही रुक गया होगा। सुबह खेत में उसका खून से लथपथ शव देख ग्रामीण स्तब्ध रह गए। सूचना पर घरवाले और पुलिस भी आ गई। सिर और चेहरे पर गोली मारकर उसे मौत के घाट उतारा गया था।

हत्यारे ने पीठ पर धारदार हथियार से वार भी किया था। घटनास्थल से कुछ दूर पर ही बाइक व शराब की दो खाली बोतलें मिलीं। जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच के दौरान पुलिस को घटनास्थल की ओर आने वाले रास्ते पर एक सीसीटीवी कैमरा लगा मिला। जिसकी फुटेज में मृतक एक अन्य व्यक्ति के साथ बाइक से आता दिखा। फिलहाल पुलिस उसे ही मुख्य संदिग्ध मानकर तलाश में जुटी है। एसपी सिटी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि पतने ने किसी तरह के विवाद की बात से इंकार किया है। जांच पड़ताल की जा रही है।

व्यापारियों ने मनाया प्रदेश के कद्दावर व्यापारी नेता बनवारी लाल कंछल का 77 वां जन्मदिवस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व पूर्व राज्य सभा सांसद बनवारीलाल कंछल का 77 वां जन्मदिवस शुक्रवार को प्रयागराज के व्यापारियों ने बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ चौक स्थित कार्यालय में केक काटकर व एक दूसरे को मिष्ठान खिलाकर धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ व्यापारी नेता बनवारी लाल कंछल का जन्मदिन मनाया । इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कादिर भाई ने केक काटकर व मिष्ठान खिलाकर पधाधिकारियो व व्यापारिओ का मुँह मीठा कराते हुए कंछल के दीर्घायु व यस्शवी होने की ईश्वर कामना से की। जिलाध्यक्ष कादिर भाई कहा कि कंछल जी की नीतियों पर चलते हुए व्यापारियो के सदैव हितकारी व उनके सुख दुख में सहभागी रहेगा । बधाई देने वालों में मो0 कादिर , सुहैल अहमद , सुशील खरबंदा , मो0 आमिर , मो0 मोइन , आरिज खान , मो0 मुजीब अहमद , मजहर ,, अरशद समेत बड़ी संख्या में व्यापारियों ने कंछल जी दीर्घायु होने कामना की ।

डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मियों ने किया कार्य बहिष्कार, मरीज रहे परेशान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नई स्थानांतरण नीति के विरोध में डॉक्टर सहित सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों ने शनिवार को जमकर आक्रोश जताया। दो घंटे का कार्य बहिष्कार कर प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान कर्मचारियों ने कॉल्विन अस्पताल में एकत्र होकर सभा की और प्रदेश सरकार से स्थानांतरण नीति को वापस लेने की मांग की। कर्मचारियों के आंदोलन से बेली, कॉल्विन, डफरिन, टीबी अस्पताल सहित जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों को सुबह परेशानी हुई। उपचार के लिए उन्हें दो घंटे तक परेशान होना पड़ा।

कॉल्विन अस्पताल में सभा के दौरान कर्मचारियों ने कहा कि नई स्थानांतरण नीति के कर्मचारियों का स्थानांतरण शुरू हो गया है। जबकि, कोविड महामारी का दौर अभी जारी है। महामारी से मरने वालों का सरकार अभी मुआवजा भी नहीं दे सकी है। कर्मचारियों ने कहा कि सरकार सहयोग करने की बजाय उत्पीड़न में लगी है।

कॉल्विन में सभा करने के बाद स्वास्थ्य कर्मचारी डफरिन भी गए। वहां भी उन्होंने सभा की। इस दौरान अस्पतालों की ओपीडी, इमरजेंसी सहित अन्य सेवाएं बाधित रहीं। मरीजों को उपचार के लिए इंतजार करना पड़ा। हड़ताल सुबह आठ बजे से शुरू होकर 10 बजे तक चली। 10 बजे के बाद चिकित्सा व्यवस्था सामान्य हुई तब मरीजों को राहत मिली। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगे नहीं मानी गई तो 12 जुलाई को लखनऊ स्वास्थ्य महानिदेशक कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर पीएमएस संवर्ग के जिला सचिव डॉ. जीसी पटेल, डॉरु सुनील जौहरी, डॉरु रामचंद्र, डॉ. केके पांडेय, डॉ. संजय पांडेय, डॉ. बीएन सिंह, मधुकर श्रीवास्तव, रणविजय सिंह आदि मौजूद रहे।

जमुनापार मे समाजवादी पार्टी का लहराया परचम 9 मे 6 सीटों पर सपा का कब्ज़ा

प्रयागराज। जमुनापार मे झूम के दौड़ी साईकिल। कौधयारा सीट पर निर्विरोध जीत हासिल करने के साथ चाका, करछना, जसरा, उरुवा और कोरॉंव मे समाजवादी पार्टी के ब्लाक प्रमुख प्रत्याशीयों को भाजपा को पटखनी देते हुए जीत का सेहरा बँधा।चाका ब्लाक से अनिल सिंह पटेल,करछना से सरोज द्बबे, जसरा से पप्पू सिंह,कोरॉंव से मुकेश कोल तथा उरुवा से आरती गौतम ने अपने निकट्तम प्रतिद्वंद्वी भाजपा को हरा कर आप्रतियाश्चित जीत दर्ज की।महानगर मीडिया प्रभारी सै0मो0अस्करी के अनुसार जमुनापार मे एक बार फिर कुँवर रेवती रमण की भूमिका का डंका बजा।चाका ब्लाक से अनिल कुमार पटेल को मिली जीत मे मुस्लिम बीडीसी सदस्यों का भरपूर समर्थन मिला।पूर्व ज़िला पंचायत सदस्य मो0इसराइल व अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव मो0शारिक सहित तमाम सपा नेताओं के अथक प्रयास जमुनापार मे 6 सीटों पर सपा का परचम लहराया।

सम्पादकीय

कैबिनेटः बड़े बदलाव, बड़ी उम्मीदें

जिन असाधारण चुनौतियों और ऐतिहासिक उथल-पुथल से गुजर रहा है, उसके मद्देनजर प्रधानमंत्री का अपनी टीम को दुरुस्त करना, उसे मजबूत बनाने की कोशिश करना स्वाभाविक ही है। इस लिहाज से सबसे ज्यादा ध्यान खींचता है मंत्रिमंडल के 12 सदस्यों की छुट्टी करना। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में बुधवार को हुआ केंद्रीय मंत्रिमंडल का पहला फेरबदल किसी भी लिहाज से सामान्य या छोटा नहीं कहा जा सकता। चाहे मंत्रिमंडल के आकार का सवाल हो या इसमें शामिल होने वाले नए मंत्रियों की संख्या का या फिर मंत्रिमंडल से बाहर किए जाने वाले नामों का- कोई भी पहलू ऐसा नहीं है, जिसे नजरअंदाज किया जा सके। इसके साथ ही यह भी सही है कि इन तमाम बड़े बदलावों को अनावश्यक नहीं कहा जा सकता। देश जिन असाधारण चुनौतियों और ऐतिहासिक उथल-पुथल से गुजर रहा है, उसके मद्देनजर प्रधानमंत्री का अपनी टीम को दुरुस्त करना, उसे मजबूत बनाने की कोशिश करना स्वाभाविक ही है।

इस लिहाज से सबसे ज्यादा ध्यान खींचता है मंत्रिमंडल के 12 सदस्यों की छुट्टी करना। खासकर इसलिए कि इनमें स्वास्थ्य मंत्रालय का जिम्मा संभाल रहे हर्षवर्धन ही नहीं, सोशल मीडिया कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की मुहिम में जुटे रविशंकर प्रसाद भी शामिल हैं। हर्षवर्धन का कोरोना की दूसरी लहर के बीच देखी गई बदइंतजामी की भेंट चढ़ना स्वाभाविक माना जा सकता है, लेकिन रविशंकर प्रसाद का जाना मन में यह सवाल पैदा करता है कि क्या उन्हें ट्विटर जैसी कंपनियों की नाराजगी और अमेरिका सहित दुनिया भर में सरकार की कथित तौर पर खराब होती छवि का फल भुगतना पड़ा है? अगर ऐसा है तो क्या यह माना जाए कि अब सोशल मीडिया कंपनियों के प्रति सरकार के रुख में कोई नरमी आने वाली है? कुछ निहित स्वार्थी तत्व ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन यह समझना जरूरी है कि नीतियों पर अमल की शैली को लेकर जो भी भेद-मतभेद हों, कोई सरकार अपनी इस नीति में छूट नहीं दे सकती कि देश की सीमा के अंदर हर किसी को यहां का कानून शिरोधार्य रख कर चलना पड़ेगा। अच्छा है कि आईटी मामलों के नए मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पदभार ग्रहण करते ही यह स्पष्ट कर दिया और इस संभावना की एक तरह से पुष्टि कर दी कि रविशंकर प्रसाद को दरअसल न्यायपालिका के सामने सरकार का पक्ष प्रभावी ढंग से रख पाने में नाकामी की सजा मिली है। बहरहाल, मंत्रिमंडल में 43 नये सदस्यों का आना भी महत्वपूर्ण है। इनमें महिलाओं और अन्य सामाजिक समूहों के प्रतिनिधित्व का ख्याल तो रखा ही गया है, आने वाली चुनावी चुनौतियों का भी पूरा ध्यान रखा गया है। उत्तर प्रदेश से 14 मंत्रियों का होना इसी बात की ओर इशारा करता है। मगर चाहे जो भी बदलाव कर लिए जाएं और उसके पीछे जो भी बड़े या छोटे आधार बताए जाएं, अंतिम विश्लेषण में इन सबकी सार्थकता की एकमात्र कसौटी है सरकार का प्रदर्शन। कार्यकाल के मध्य में आकर अगर प्रधानमंत्री ने अपनी टीम का करीब-करीब कायापलट करने की जरूरत महसूस की है तो उसका औचित्य कार्यकाल के अगले हिस्से में सरकार के बेहतर प्रदर्शन से ही सिद्ध हो सकता है।

इसलिए मोदी ने कर दी रविशंकर प्रसाद, डॉ. हर्षवर्धन और प्रकाश जावड़ेकर की मंत्री पद से छुट्टी

नीरज कुमार दुबे

जहाँ तक मंत्रिमंडल के विस्तार और फेरबदल की कवायद की बात है तो इसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ बड़े संदेश दिये हैं। पहला- व्यक्ति चाहे कितना भी बड़ा हो उसके कार्य प्रदर्शन की गुणवत्ता से कतई समझौता नहीं किया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रिमंडल का जितना बड़ा विस्तार किया है उससे बड़ा तो फेरबदल कर दिया है। प्रधानमंत्री समेत चार-पाँच शीर्ष मंत्रियों को छोड़ दें तो पूरी सरकार का स्वरूप ही बदल गया है। इसे आप मोदी 2.0 की दूसरी सीरीज भी कह सकते हैं। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई परिवर्तित कैबिनेट की पहली बैठक में जिस तरह धड़ाधड़ फैसले लिये गये और उन फैसलों को अमली जामा पहनाने के लिए जिस तरह समय निर्धारित किये गये वह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रियों को साफ संकेत और संदेश दे दिया है कि अब थमने या आराम करने का वक्त नहीं बल्कि तेजी से काम करने और उस काम को जनता के बीच दिखाने का भी वक्त है। जहाँ तक मंत्रिमंडल के विस्तार और फेरबदल की कवायद की बात है तो इसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ बड़े संदेश दिये हैं। पहला- व्यक्ति चाहे कितना भी बड़ा हो उसके कार्य प्रदर्शन की गुणवत्ता से कतई समझौता नहीं किया जायेगा। दूसरा- किसी खास मंत्रालय का मंत्री यदि जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता तो उसके खिलाफ उपजी नाराजगी का असर पूरी सरकार पर नहीं पड़ने दिया जायेगा। तीसरा- 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' मूलमंत्र पर आगे बढ़ते हुए सरकार में समाज के सभी वर्गों और देश के हर कोने की पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। चौथा- बेहतरीन कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया जाता रहेगा। पाँचवाँ- पार्टी संगठन के लिए निष्ठापूर्वक काम करने वालों को 'बड़े अवसर' दिये जाएंगे।

मोदी मंत्रिमंडल में किस मंत्री को क्या मिला, उसके क्या राजनीतिक और जातिगत समीकरण हैं इसके बारे में तो लोग जानकारी ले ही रहे हैं लेकिन इससे ज्यादा लोगों की रुचि यह जानने में है कि रविशंकर प्रसाद, डॉ. हर्षवर्धन, प्रकाश जावड़ेकर और बाबुल सुप्रियो जैसे दिग्गज मंत्रियों की मंत्रिमंडल से क्यों छुट्टी कर दी गयी। मंत्रिमंडल से जो अन्य लोग हटाये गये हैं उनके नामों पर शायद ही किसी को आश्चर्य हुआ हो। बल्कि अभी तो कई ऐसे मंत्री भी बाकी हैं जिनका कार्य प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है लेकिन चूँकि वह उन राज्यों से हैं जहाँ साल 2022 में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में वहाँ के जातिगत समीकरणों को देखते हुए उनकी कुर्सी फिलहाल बच गयी है। रविशंकर प्रसाद, डॉ. हर्षवर्धन, प्रकाश जावड़ेकर की मंत्री पद से छुट्टी सभी लोगों के लिए साफ संकेत है कि कोई अपने बड़े नाम की वजह से ही बड़े पद पर नहीं बैठा रह सकता। काम भी करके दिखाना होगा। दरअसल साल 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव पूर्व के लोकसभा चुनावों से इस मायने में अलग थे कि जनता ने एक तरह से अपने सांसद को चुनने के लिए नहीं बल्कि सीधे प्रधानमंत्री को चुनने के लिए वोट दिया था। ऐसे में नरेंद्र मोदी अपने मंत्रिमंडल में किसको मंत्री बनाते हैं और किसे हटाते हैं इससे ज्यादा असर नहीं पड़ेगा क्योंकि जनता वादे पूरे होने की स्थिति में मोदी को सराहेगी या वादे पूरे नहीं होने की स्थिति में उनसे ही सवाल करेगी।

जहाँ तक रविशंकर प्रसाद की बात है तो उन्हें भी यकीन नहीं होगा कि कानून, आईटी, कम्युनिकेशन जैसे बड़े मंत्रालय संभालते-संभालते वह अचानक से मंत्री पद से हाथ धो बैठेंगे। लोगों को विश्वास नहीं हो रहा है कि जो मंत्री राजनीतिक और नीतिगत मामलों में लगातार सरकार का पक्ष रखने के लिए मीडिया के बीच उपस्थित होते रहते थे उन्हें क्यों हटा दिया गया। कहा जा रहा है कि ट्विटर से लड़ाई रविशंकर प्रसाद को भारी पड़ गयी। यह सही है कि विदेशी सोशल मीडिया कंपनियों से जिस तरह रविशंकर प्रसाद भिड़े उससे भारत एक अजीब स्थिति में फँस गया क्योंकि एक ओर तो हम विदेशी कंपनियों को अपने यहाँ निवेश का न्यौता दे रहे हैं दूसरी ओर ऐसा संदेश भी गया कि हम उन्हें भारत के कानूनों से डरा भी रहे हैं। यह माना गया कि रविशंकर प्रसाद इस मुद्दे से और आसान तरीके से निबट सकते थे। रविशंकर प्रसाद के खिलाफ लेकिन सिर्फ यही मामला नहीं था। दूरसंचार मंत्री के रूप में ना तो वह बीएसएनएल का भला कर पाये ना ही प्रधानमंत्री के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'भारतनेट' को तेजी से आगे बढ़ा पाये। यही नहीं जिस तरह से कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान केंद्र सरकार को कभी हाईकोर्ट तो कभी सुप्रीम कोर्ट की फटकार पड़ती रही उससे भी यही संदेश गया कि कानून मंत्रालय सही तरीके से सरकार का पक्ष अदालतों में नहीं रखवा पा रहा है। इसके अलावा यह भी माना जा रहा है कि कानून मंत्री के तौर पर रविशंकर प्रसाद के रिश्ते न्यायिक तंत्र के साथ सहज नहीं रहे और बड़ी संख्या में जजों की रिक्ति को भरने के लिए भी मंत्रालय पर्याप्त कदम नहीं उठा पाया था।

प्रकाश जावड़ेकर जोकि मंत्री होने के साथ-साथ सरकार के मुख्य प्रवक्ता भी थे, उन्हें भी यूँ रुखसत कर दिये जाने का आभास नहीं होगा। उनके खिलाफ एक-दो नहीं कई बातें गयीं। जरा पर्यावरण मंत्रालय की वेबसाइट उठाकर देखिये आपको लगेगा कि पिछले दो साल से सरकार की कोई उपलब्धि ही नहीं है। प्रधानमंत्री ने पर्यावरण सुरक्षा के लिहाज से कई कदम उठाये जैसे कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक की बात हुई लेकिन यह मंत्रालय प्रधानमंत्री के कदमों को आगे ही नहीं बढ़ा पाया। पर्यावरण मंत्री के रूप में जावड़ेकर जो 'हिंन्ेदहसहू घ्र्स्ज्र्म्ै सहू' का ड्राफ्ट लेकर आये उसका पर्यावरणविदों ने जमकर विरोध किया। यही नहीं सूचना और प्रसारण मंत्री के रूप में उनका काम था कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान जब देश महामारी से जूझ रहा था तो सरकार की ओर से किये जा रहे कार्यों को प्रमुखता से बताया जाये लेकिन वह ऐसा करने में विफल रहे, नतीजतन विपक्ष सरकार को घेरता रहा और सरकार की छवि खराब होती रही। उस समय मंत्री जमीन पर नहीं सिर्फ ट्विटर पर नजर आ रहे थे। यही नहीं विदेशी मीडिया में भी जिस तरह भारत सरकार की नाकामियों की खबरें छपीं उसका भी प्रतिवाद सूचना प्रसारण मंत्रालय सही से नहीं कर पाया। यही नहीं जावड़ेकर लगातार नीतियां बनाने का मुद्दा भी टालते ही रहे। इस साल की शुरुआत में वह समाचार पोर्टलों, ओटीटी प्लेटफॉर्मों के लिए जो नीतियाँ लेकर आये उन पर भी आते ही विवाद हो गया और मामला अदालतों में चक्कर काट रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री पद से डॉ. हर्षवर्धन ने अपनी छुट्टी की कल्पना नहीं की होगी लेकिन प्रधानमंत्री की निगाह में वह अप्रैल में ही आ गये थे। इसमें कोई दो राय नहीं कि कोरोना महामारी की पहली लहर के दौरान डॉ. हर्षवर्धन का काम संतोषजनक रहा लेकिन कह सकते हैं कि कोरोना ने पहली लहर के दौरान तो भारत में अपना रौद्र रूप दिखाया ही नहीं था। डॉ. हर्षवर्धन कोरोना को हराने का श्रेय लेने को इतने आतुर थे कि इस साल 7 मार्च को उन्होंने भारत में कोरोना महामारी का अंत होने की बात तक कह दी थी। परन्तु मार्च महीने के अंत में कोरोना के नये मामले इतनी तेजी से बढ़ने शुरू हुए कि अप्रैल आते-आते तो यह चरम तक पहुँच चुके थे। अप्रैल अंत तक जिस प्रकार संसाधनों की कमी से भारत जूझ रहा था उस समय तक डॉ. हर्षवर्धन एक विफल मंत्री के रूप में पहचाने जाने लगे थे। माना जाता है कि प्रधानमंत्री मार्च के मध्य में ही समझ गये थे कि डॉ. हर्षवर्धन अकेले कुछ नहीं कर पाएंगे इसलिए प्रधानमंत्री कार्यालय और नीति आयोग ने कमान संभाली। आप जरा प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी होने वाले बयानों पर गौर करियेगा। 17 मार्च को प्रधानमंत्री ने कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन संवाद किया और इस बैठक में स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने प्रस्तुतिकरण दिया और गृहमंत्री ने मुख्यमंत्रियों से उन जिलों पर विशेष ध्यान देने को कहा जहाँ मामले बढ़ रहे थे। 8 अप्रैल को प्रधानमंत्री ने फिर मुख्यमंत्रियों से संवाद किया और इस बैठक में भी स्वास्थ्य सचिव ने ही प्रस्तुतिकरण दिया। 23 अप्रैल को प्रधानमंत्री ने उन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन संवाद किया जहाँ कोरोना के मामले सर्वाधिक संख्या में सामने आ रहे थे। इस बैठक में कोविड टास्क फोर्स के प्रमुख और नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने प्रस्तुतिकरण दिया। यही नहीं प्रधानमंत्री ने अप्रैल और मई महीने में कोरोना महामारी से जुड़े विभिनन् मुद्दों या संसाधनों को लेकर तमाम बैठकें कीं लेकिन इनमें से अधिकतर बैठकों में डॉ. हर्षवर्धन नहीं थे।

यही नहीं माना जाता है कि प्रधानमंत्री को यह बात भी रास नहीं आ रही थी कि विपक्ष द्वारा सवाल उठाये जाने पर डॉ. हर्षवर्धन समस्याओं को दूर करने की बात कहने की बजाय विपक्ष शासित राज्य सरकारों को ही घेरने में जुटे थे। एक बार तो प्रधानमंत्री की मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक से एक दिन पहले ही डॉ. हर्षवर्धन ने विपक्ष पर निशाना साध कर माहौल गर्म कर दिया था। यही नहीं डॉ. हर्षवर्धन ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को पत्र लिख कर कांग्रेस शासित राज्यों पर भ्रम फैलाने का जो आरोप लगाया था वह कदम भी सरकार को पसंद नहीं आया था। यही नहीं सरकार को यह भी पसंद नहीं आया कि एक ओर तो स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन कांग्रेस को घेरने में जुटे थे लेकिन दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार केंद्र सरकार पर ऑक्सीजन तथा अन्य मुद्दों को लेकर जो निशाना साध रही थी उसका वह जवाब नहीं दे पा रहे थे। नये स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में जिस तरह राज्यों को साथ लेकर चलने की बात कही है उससे यह बात स्पष्ट हो जाती है कि डॉ. हर्षवर्धन ऐसा कर पाने में विफल रहे थे और उसकी कीमत उन्हें चुकानी पड़ी।

बहरहाल, रेल मंत्री के रूप में भले पीयूष गोयल के खाते में कई उपलब्धियाँ हों लेकिन उनके कार्यकाल में जनता की नाराजगी खूब रही। आम जनता के परिवहन का साधन रेलवे उनके कार्यकाल में इतना महँगा हो गया है कि लोग बसों से यात्रा को महत्व भी देने लगे हैं। श्रम मंत्री के रूप में संतोष गंगवार का कार्यकाल पूरी तरह विफल रहा क्योंकि रोजगार प्रदान करने के जिस बड़े वादे के साथ मोदी सरकार सत्ता में आई थी वह पूरा नहीं हो पाया है। उस पर से श्रम मंत्री के पास कभी आंकड़े भी नहीं होते थे कि कोरोना ने कितनों को बेरोजगार कर दिया या सरकार ने रोजगार के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष कितने अवसर मुहैया कराये। यही नहीं श्रम सुधार कानूनों को लेकर भी वह सरकार का पक्ष सही ढंग से नहीं रख पा रहे थे। मंत्री के रूप में उनकी निष्क्रियता साफ झलकती थी क्योंकि बड़े से बड़ा मुद्दा आ जाये, संतोष गंगवार चुप्पी साधे रहते थे या परिदृश्य से गायब रहते थे। अपने पैरों पर कुल्हाड़ी उन्होंने खुद तब चला दी जब दूसरी लहर के दौरान उन्होंने पत्र लिखकर योगी आदित्यनाथ सरकार की नाकामियां गिना दीं। इसके अलावा रमेश पोखरियाल निशंक का स्वास्थ्य तो गड़बड़ चल ही रहा है इसके अलावा वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सही ढंग से आम और खास जन के बीच नहीं रख पाये जबकि मोदी सरकार की यह बड़ी उपलब्धियों में से एक है। बाबुल सुप्रियो को एक लोकप्रिय चेहरा माना गया था। वह दो बार लोकसभा का चुनाव जीते लेकिन दोनों ही बार मोदी के नाम पर वोट पड़ा था जैसे ही बाबुल ने अपने चेहरे पर वोट लेने का प्रयास किया वह विधानसभा सीट भी नहीं जीत पाये। इसके अलावा पर्यावरण राज्य मंत्री के रूप में उनकी लगातार निष्क्रियता भी उनकी रवानगी की वजह बनी।

लंदन या रोम, कल कहां मनेगा जश्न

देबराज चौधरी

6 जुलाई 2021, जोर्जिन्हो ने एक लंबी सांस खींची और गालों को बड़ा करते हुए सांस छोड़ी। ऐसा लगा मानो वह योग की क्लास में खड़े हों ना कि यूरोपियन चैंपियनशिप सेमी-फाइनल में आखिरी स्पॉट किक (पेनल्टी किक) लेने के लिए। वह पल उनके करियर का सबसे बड़ा पल था। जोर्जिन्हो ने खुद को एकाग्र किया, दिल की धड़कनों पर काबू पाया और एक ऐसे काम को आसान बना दिया, जिसे प्रेशर बहुत मुश्किल बना देता है। इसके बाद उन्होंने एक छोटी सी जंप लगाई। स्पेनिश गोलकीपर ऊनाई सिमोन को दूसरी ओर छलांग लगाते देखा और इत्मीनान से गेंद को गोल में डाल दिया। इटली यूरो 2020 के फाइनल में पहुंच चुका था।

अब चार साल पीछे चलते हैं। साल 2017 में 14 नवंबर की तारीख थी। जोर्जिन्हो ने स्वीडन के खिलाफ पूरे 90 मिनट तक अपनी जान झोंके रखी। मिलान के सान सिरो स्टेडियम की पिच पर वह अपनी टीम के सबसे बढ़ि़या खिलाड़ी थे, लेकिन रेफरी ने जब आखिरी सीटी बजाई तो जोर्जिन्हो अपने साथी खिलाड़ि़यों की तरह पिच पर गिर पड़े और फूट-फूट कर रोने लगे।

इटली 2018 वर्ल्ड कप में जगह बनाने से चूक गया था। 60 साल में यह पहली बार था जब इटली वर्ल्ड कप में नहीं खेलने वाला था। अगले दिन देश के प्रमुख स्पोर्ट्स पेपर 'ला गजेट्टा डेलो स्पोर्ट' में हेडलाइन थी- ला फिने (थ्ंइग्हा) यानी दी एंड। इटैलियन फुटबॉल पर अंधेरा छा गया, लेकिन एक नया सवेरा भी दूर नहीं था। यहां से थोड़ा और पीछे चलें तो 1990 का फुटबॉल विश्व कप रोबर्टो मैनचीनी के करियर का सबसे यादगार टूर्नामेंट होने वाला था। 25 साल की उम्र में अपने क्लब सैम्पडोरिया को यूएफा कप विनर्स कप का खिताब दिलाने के बाद मैनचीनी अब अपने ही देश इटली में होने वाले वर्ल्ड कप में चमकने के लिए तैयार थे। लेकिन मैनचीनी का यह सपना साकार नहीं हो पाया। इटली के क्लब फुटबॉल का स्टार होने के बावजूद मैनचीनी को पूरे टूर्नामेंट में एक भी मिनट खेलने को नहीं मिला।

4 साल बाद उनके पास 1994 वर्ल्ड कप में खेलने का मौका था, लेकिन टूर्नामेंट शुरू होने से तीन महीने पहले कोच अरिगो साची से नाराज होकर उन्होंने वर्ल्ड कप में नहीं खेलने का फैसला किया और महज 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया। कई सालों बाद उन्होंने माना कि यह एक बहुत बड़ी गलती थी। इटली की जर्सी में अपना आखिरी मैच खेलने के लगभग 24 साल बाद मैनचीनी को एक बार फिर इटली की टीम का हिस्सा होने का मौका मिला, लेकिन इस बार कोच के रूप में। मैनचीनी ने अपना कोचिंग करियर महज 37 साल की उम्र में शुरू किया, जब उन्हें 2001 में फियोरेंटिना की जिम्मेदारी दी गई। अगले 17 साल उन्होंने इटली के अलावा इंग्लैंड, टर्की और रूस में अलग-अलग क्लब्स के साथ कई खिताब जीते। मई 2018 में इटली की

टीम की कमान संभालने के बाद मैनचीनी ने टीम को नई पहचान दी। एक बड़े टूर्नामेंट में न खेल पाने का दर्द मैनचीनी खुद समझते हैं। इसलिए उन्होंने साफ कर दिया की टीम में कोई स्टार नहीं है और सभी खिलाड़ी एकजुट होकर खेले, तभी लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। दूसरा बदलाव उन्होंने खेलने की शैली में किया। इटली जो हमेशा से अपने मजबूत डिफेंस के लिए जानी जाती थी, मैनचीनी ने उसे बरकरार रखते हुए आक्रमण पर भी जोर दिया। पिछले 3 साल की मेहनत के नतीजे सबके सामने हैं। इटली लगातार 33 मैचों से अजेय है और रविवार को उसके पास मौका है 2006 वर्ल्ड कप के बाद एक बड़ा खिताब जीतने का। दूसरी ओर, इंग्लैंड की फुटबॉल लीग दुनिया की सबसे अमीर लीग है। मैनचेस्टर यूनाइटेड, चेल्सी, लिवरपूल जैसी जानी-मानी क्लब्स से बनी 20 टीमों की लीग की 2020-21 सीजन में कुल आय 6.2 बिलियन यूरो थी, यानी लगभग 548 अरब रुपये। दुनिया के टॉप खिलाड़ी इस लीग में खेलना चाहते हैं और क्लब मुकाबलों में इंग्लिश क्लबों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले तीन में से दो यूएफा चैंपियंस लीग के खिताब इंग्लिश क्लबों ने जीते हैं।

लेकिन बात इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम की हो तो वहां सिर्फ सालों की निराशा ही दिखाई देती है। इंग्लैंड ने अपने इतिहास में बस एक बड़ा टूर्नामेंट जीता है - 1966 का वर्ल्ड कप। इसके अलावा वह किसी वर्ल्ड कप या यूरो के फाइनल तक भी नहीं पहुंच पाए। यह स्थिति आखिरकार बदली यूरो 2020 में। अब गैरथ साउथगेट की टीम के पास मौका है लगभग 6 दशक के दर्द को दूर करने का। नवंबर 2016 में जब साउथगेट को इंग्लैंड टीम का परमानेंट कोच बनाया गया तो कई लोगों को आश्चर्य हुआ। इंग्लैंड फैंस की साउथगेट के साथ सिर्फ कड़वी यादें ही जुड़ी थीं। साउथगेट ही वह खिलाड़ी थे, जिन्होंने यूरो 1996 में वेंबली में जर्मनी के खिलाफ खेले गए सेमिफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में अपनी किक मिस की थी। उसके बाद साउथगेट की पहचान वहीं तक सिमट कर रह गई। जब भी इंग्लैंड की नाकामी की बात होती तो वेंबली की उस रात का जिक्र होता था। मगर अब साउथगेट के पास मौका है इंग्लैंड के महानतम मैनेजर्स की लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराने का। 2018 वर्ल्ड कप के सेमिफाइनल के बाद यूरो 2020 के फाइनल तक पहुंचना साफ दिखाता है कि इंग्लैंड की टीम ने कितनी प्रगति की है। इंग्लैंड के पास तेज, आक्रमक खिलाड़ि़यों, जैसे जैक ग्रीलिश, बुकायो सका, फिल फोडेन आदि की भरमार है, लेकिन साउथगेट ने व्यावहारिक और सतर्क रवैया अपनाया। फैंस और एक्सपर्ट्स उन्हें अपनी शैली बदलने को कहते रहे, लेकिन साउथगेट अपने निणञ्य पर डटे रहे। उसी का नतीजा है कि इंग्लैंड ने यूरो 2020 में खेले 6 मैच में सिर्फ एक गोल खाया है और अब वह इतिहास बनाने की दहलीज पर है। रविवार रात को यूरो 2020 का फाइनल दोनों टीमों के लिए खोया गौरव और सम्मान हासिल करने का मौका है। लेकिन 90 मिनट या फिर एक्स्ट्रा टाइम या फिर पेनल्टी शूटआउट के बाद ट्रोफी किसी एक ही टीम के हाथों में होगी। इंग्लैंड के फैंस को भरोसा है 'इट्स कमिंग होम' वहीं इटली के प्रशंसकों का दावा है 'इट्स कमिंग टू रोम'।

भूरी मिली भी और नहीं भी

सरस्वती रमेश

भूरी नदी किनारे चरने जाती और शाम होते-होते वापस अपने खूंटे पर आ खड़ी होती। दीदी उसे बहुत प्यार करती। कहती, 'ये गाय नहीं है, मेरी संतान है। जब से घर में आई है अनाज की कोठी कभी खाली नहीं हुई।' बच्चे भी दिनभर भूरी से लिपटकर खेलते। वे उसे चाहे जितना परेशान करें, मगर भूरी कभी उनको झौकारती नहीं थी। वाकई भूरी बड़ी सीधी-सादी थी। मैं तो कभी-कभार ही दीदी के घर जाती। मगर मुझे भी खूब पहचानती थी वह। उस दिन भी मैं दीदी के घर ही थी। रोज की तरह सुबह-सुबह उसने भूरी को चरने के लिए ढील दी और अपने काम में लग गई। शाम होने को आई, अंधेरा हो चला। मगर यह क्या। भूरी न लौटी। दीदी के साथ जीजा भी बेचैन हो गए। दोनों टॉर्च लेकर नदी की ओर चल पड़े। कछार के सननटे में काफी देर तक खोजते रहे। मगर भूरी न मिली। निराश मन से दोनों लौट आए। सुबह होते ही फिर से भूरी की तलाश शुरू हो गई। दीदी ने आस-पास के टोले-मोहल्ले में उसे तलाशना शुरू कर दिया। कहती, 'जरूर कोई भूरी को हांक ले गया है और अपने खूंटे से बांध दिया है। नहीं तो वह कहीं भी जाए, लौट आती थी।' दीदी को भूरी से इतना लगाव था कि कई दिन तक वह ठीक से खाना न खा सकी। दुधारी गाय के खोने का सबको दुख था। घर के सारे लोग दीदी को भूरी के मिलने की दिलासा देते। मगर मन ही मन उन्हें भी भूरी के दोबारा मिलने पर संदेह था। दीदी थी कि भूरी को भूल ही नहीं पा रही थी। भोले नाथ को मनौती भी मान दी।

आखिर जीजा ने किसी तरह उसे समझाया-बुझाया। अब तो बस भूरी के बछड़े को देखकर ही संतोष करना था। बछड़ा भी रोज शाम नदी की ओर ताकने लगता। उसे भी अपनी मां के लौटने की प्रतीक्षा थी। मां को न देख चिल्लाता तो दीदी रो पड़ती। करीब दो महीने बाद मैं एक रिश्तेदार के घर शादी में गई। उनका गांव दीदी के गांव से कोई दस किलोमीटर दूर था। गांव के पास ही नदी बह रही थी। मेरा मन हुआ जरा नदी तक घूम आएं और मैं कुछ फोटो-शोटो लेने नदी की ओर चल पड़ी। नदी के तट के पास ही छप्पर वाला एक घर था। घर के सामने एक गाय बंधी थी। मुझे वह बिल्कुल भूरी जैसी लगी। मैंने उसकी फोटो ले ली और उसे दीदी के पास भेज दिया। फोटो देख दीदी दूसरे ही दिन अपने बेटे के साथ वहां पहुंच गई। आते ही मेरे साथ उस छप्पर वाले घर की तरफ चल पड़ी। जैसे ही वह उसके पास पहुंची, गाय रंभाने लगी। अब तो मुझे भी पक्का हो गया कि वह भूरी ही है। दीदी उसके गले लग रो पड़ी। जैसे बरसों बाद दो बहने मेले में मिलते ही रो पड़ी हों। तब तक छप्पर से एक आदमी भी निकल कर बाहर आ गया। दीदी को अपनी गाय से गले मिलते देख उसकी आंखों में हैरानी थी। उसने तपाक से सवाल किया, 'क्या बात है?'

'यह तो मेरी भूरी है। तुम्हें कहां मिली?'

दीदी ने आंसू पोछते हुए कहा।

'मैं तो इसे खरीद कर लाया हूं। पूरे पंद्रह हजार में।'

इसके बाद उससे काफी बात-बहस हुई। फिर भी वह नहीं माना। मैंने ही दीदी को समझाया, 'हो सकता है जिसने गाय चुराई हो उसने इसे बेच दिया हो।' दीदी आंखों में आंसू लिए वहां से लौट पड़ी, लेकिन दोबारा भूरी को देख लेने का सुकून उनके चेहरे पर साफ झलक रहा था। भूरी मिली भी और नहीं भी।

बड़े बेआबरू होकर अमेरिकी फौजें अफगानिस्तान से बाहर निकली हैं

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

यहां असली सवाल यह है कि अमेरिकियों ने अपनी विदाई भी भली प्रकार से क्यों नहीं होने दी ? गालिब के शब्दों में 'बड़े बेआबरु होकर, तेरे कूचे से हम निकले।' क्यों निकले ? क्योंकि अफगान लोगों से भी ज्यादा अमेरिकी फौजी तालिबान से डरे हुए थे। अफगानिस्तान से अमेरिकी फौजें जैसे सिर पर पाँव रखकर भागी हैं, क्या उससे भी भारत सरकार ने कोई सबक नहीं लिया। बगराम सहित सात हवाई अड्डों को खाली करते वक्त अमेरिकी फौजियों ने काबुल सरकार को खबर तक नहीं की। नतीजा क्या हुआ? बगराम हवाई अड्डे में सैंकड़ों शहरी लोग घुस गए

और उन्होंने बचा-खुचा माल लूट लिया। अमेरिकी फौज अपने कपड़े, छोटे-मोटे कंम्प्यूटर और हथियार, बर्तन-भांडे-फर्नीचर वगैरह जो कुछ भी छोड़ गई थी, उसे लूटकर काबुल में कई कबाड़ियों ने अपनी चलती-फिरती दुकानें खोल लीं।

यहां असली सवाल यह है कि अमेरिकियों ने अपनी विदाई भी भली प्रकार से क्यों नहीं होने दी ? गालिब के शब्दों में 'बड़े बेआबरु होकर, तेरे कूचे से हम निकले।' क्यों निकले ? क्योंकि अफगान लोगों से भी ज्यादा अमेरिकी फौजी तालिबान से डरे हुए थे। उन्हें इतिहास का वह सबक याद था, जब लगभग पौने दो सौ साल पहले अंग्रेजी फौज के 16 हजार फौजी जवान काबुल छोड़कर भागे थे तो उनमें से 15 हजार 999 जवानों को अफगानों ने कत्ल कर दिया था। अमेरिकी जवान वह दिन नहीं देखना चाहते थे। लेकिन उसका नतीजा यह हो रहा है कि अफगान प्रांतों में तालिबान का कब्जा बढ़ता चला जा रहा है। एक-तिहाई अफगानिस्तान पर उनका कब्जा हो चुका है। कई मोहल्लों, गांवों और शहरों में लोग हथियारबंद हो रहे हैं ताकि गृहयुद्ध की स्थिति में वे अपनी रक्षा कर सकें। डर के मारे कई राष्ट्रों ने अपने वाणिज्य दूतावास बंद कर दिए है और काबुल स्थित राजदूतावासों को भी वे खाली कर रहे हैं। भारत ने अभी अपने दूतावास बंद तो नहीं किए हैं लेकिन उन्हें कामचलाऊ भर रख लिया है। अफगानिस्तान में भारत की हालत अजीब-सी हो गई। तीन अरब डॉलर वहां खपाने वाला और अपने कर्मचारियों की जान कुर्बान करने वाला भारत हाथ पर हाथ धरे बैठा है। भारत की वैधानिक सीमा (कश्मीर से लगी हुई) अफगानिस्तान से लगभग 100 किमी. लगती है। अपने इस पड़ोसी देश के तालिबान के साथ चीन, रूस, तुर्की, अमेरिका आदि सीधी बात कर रहे हैं और दिग्भ्रमित पाकिस्तान भी उनका दामन थामे हुआ है लेकिन भारत की विदेश नीति बगलें झांक रही है। यह ठीक है कि भाजपा में विदेश नीति के जानकर नहीं के बराबर हैं और मोदी सरकार नौकरशाहों पर पूरी तरह निर्भर है। आश्चर्य है कि नरेंद्र मोदी ने दक्षता के नाम पर अपने लगभग आधा दर्जन वरिष्ठ मंत्रियों को घर बिठा दिया लेकिन विदेश नीति के मामले में उनकी कोई मौलिक पहल नहीं है। इस समय भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी चुनौती अफगानिस्तान है। उसके मामले में अमेरिका का अंधानुकरण करना और भारत को अपंग बनाकर छोड़ देना राष्ट्रहित के विरुद्ध है। यदि अफगानिस्तान में अराजकता फैल गई तो वह भारत के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदेह साबित होगी।

क्रियायोग से योग के वास्तविक स्वरूप की द्रुति गति से अनुभूति

मानव जीवन का लक्ष्य योग अवस्था की अनुभूति प्राप्त करना है। योग का अभिप्राय शीर्ष आसन, सूर्य नमस्कार और अनेक तरह से शारीरिक तोड़.मरोड़ का व्यायाम, व अप्राकृतिक तरीके से स्वास - प्रस्वास की तीव्र क्रियाओं के अभ्यास से नहीं है। यह सब जो योग के नाम पर सिखाया जाता है, वह अधूरा योग है । श्रीमदभगवदगीता, पतंजलि योगदर्शन, बाइबिल, कुरान, गौतम बुद्ध, महावीर स्वामी, कबीर साहेब, नानक देव जी, आदि की शिक्षाओं में योग और प्राणायाम का वर्णन इस तरह से नहीं किया गया है।

जब हम क्रियायोग का अभ्यास करते हैं , तब हमें महसूस होता है कि सत्य क्या है। सत्य अनुभव होने पर हम पूर्ण ज्ञान से जुड़ जाते हैं। ऐसी स्थिति मे जब हम अज्ञानी के पास जातें हैं तब भी खुश होंते हैं और ज्ञानी के पास जाते हैं तब भी खुश होंते हैं । योग की अवस्था में हमें समय व दूरी की शून्यता का अनुभव होता है। इस अवस्था में हमें अपने सर्वव्यापी स्वरूप का दर्शन होता है।

जब तक हम जातिवाद, संप्रदायवाद, क्षेत्रवाद, अपने व परायेवाद के मायावी जाल में फसें रहेंगे, तब तक हम योग की स्थिति में नहीं आ पाएंगे। क्रियायोग के अभ्यास से हम आसानी से मायावी जाल के बन्धन से मुक्त हो जाते हैं।

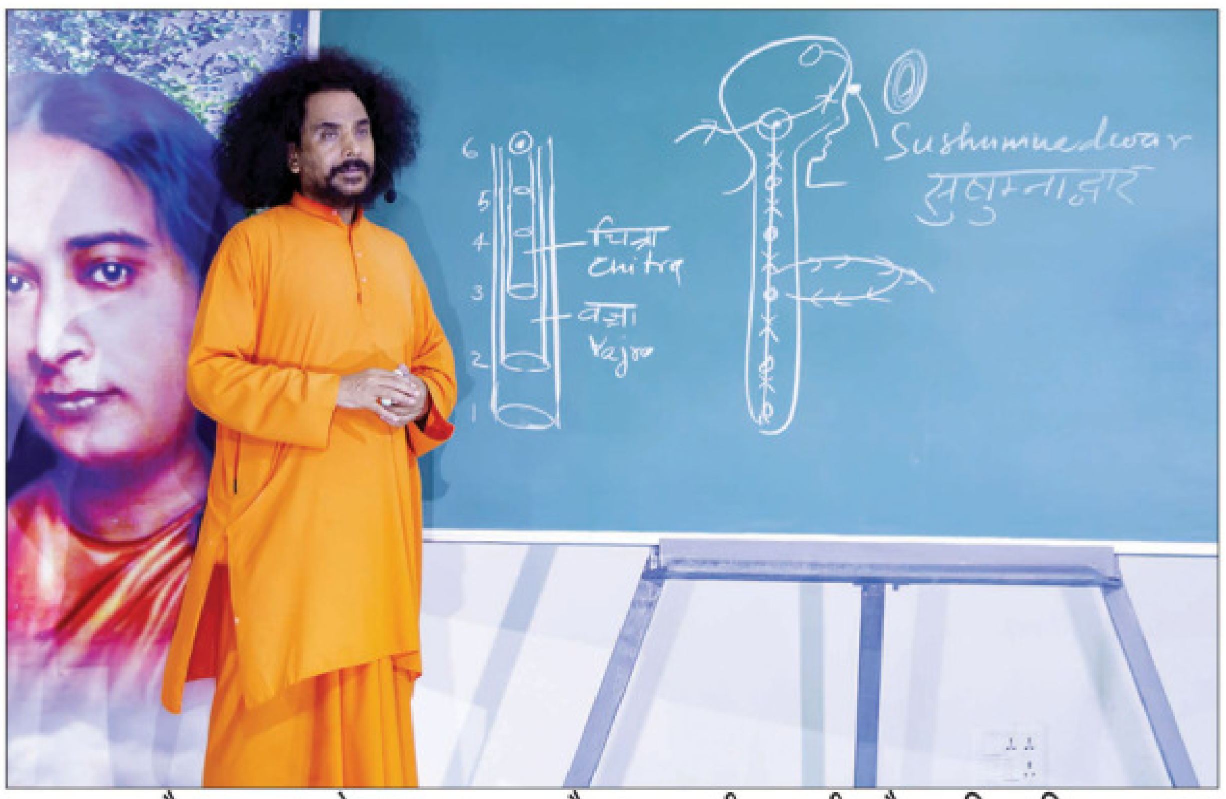

आने वाले समय मैं अंग्रेजी बहुत जल्दी से बढ़ेगी। इसलिए कि अंग्रेजी फ्लैक्सिबल भाषा है, एक उदार भाषा है। इसका प्रयोग बहुत आसान है। इसलिए यह भाषा दूर-दूर तक जल्दी से फैलेती जा रही है। अंग्रेजी के शब्दकोश में अलग-अलग भाषाओं के शब्दो को जोड़ कर हम इसका विस्तार करते जा रहें हैं। इसीलिए अंग्रेजी का विस्तार तीव्रता से हो रहा है । इसी तरह हमें हिंदी शब्दावली का भी और अधिक विस्तार करना चाहिए। हिंदी शब्दकोश मेंअंग्रेजी और अनेक भाषाओं के शब्दों को जोड़ते जाना चाहिए, ऐसा करने से हिंदी का शीघ्रता और अधिक विस्तार होगा।

KRIYAYOGA BRINGS QUICK REALIZATION OF STATE OF YOGA

In Human civilization, the perfect aim of human being is to achieve the state of Yoga, which means to experience absence of distance between all things. For example, distance between nations, languages, castes, races, creeds and religions. When we completely dissolve conflicts that occur among us, then we have attained the state of yoga.

However, at the present time period, we think that we practise Yoga by doing head stands, arm stands, Suryanamaskar, wheel posture and many other different types of tortuous body postures, and practice of pranayam as unnatural forceful breathing exercises. If such exercises were indeed the practice of Yoga, then they should have been demonstrated in the same way in the ancient spiritual texts that we know – Bhagavad Gita, Ramayana, Ram Charitmanas, Patanjali Yog Darshanam, teaching of Buddha and Mahaveer Swami, Quran, Bible, Japji Saheb etc. However, this is not so.

The real definition of Yoga is that it is a state of timeless, spaceless existence where one experiences their nature as Omnipresence Consciousness. When we understand this important point, we will come to know the Truth behind all forms of unnatural practices in the name of Yoga. State of Yoga brings the realization that "God Alone exists". God has become all creations of Cosmos - Universes, Galaxies, Stars, Planets, Sky, Air, Fire, Water, Earth, atoms, molecules, plants, animals, human beings, angels etc.

When we attain the state of Yoga, we will be able to exhibit our greatest nature - true humbleness towards all. Our work and decisions will be for benefit of all and we will be most flexible in nature. Any form of creation which is most flexible will expand far and wide. Take for example the English language. Due to its flexible form of expression and acceptance, it is easily adopted by all as a means of communication. For this reason, the English language has spread far and wide and will continue to do so, providing convenience to people all over the world.